हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दुबारा हिंसा का वातावरण न बन सके इसलिए सुरक्षाबलों की तैनाती रहेगी

नक्सलवाद के खात्मे के बाद जवान क्या कर रहे हैं और उनकी वापसी कब तक होगी के सवाल पर आईजी ने कहा कि नक्सल प्रभाव कम होने के साथ सुरक्षा बलों की भूमिका केवल ऑपरेशन तक सीमित नहीं रह गई है। वर्तमान में जवान ग्रामीण क्षेत्रों में एरिया डोमिनेशन और विश्वास निर्माण (कॉन्फिडेंस बिल्डिंग) का कार्य कर रहे हैं। सुरक्षाबल सड़क और पुल निर्माण, गांवों का विद्युतीकरण, ▶▶| शेष पेज 6 पर

चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद का दंश झेलने के बाद बस्तर में शांति है। बस्तर समेत देश को नक्सलमुक्त करने में सैकड़ों जवान नक्सलियों से बहादुरी से मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए, वहीं सैकड़ों जवान गंभीर रूप से घायल हुए।

जंग जीती और अब भरोसा जीतने मैदान में 56 हजार जवान, बस्तर में दो साल और रहेंगे!

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

वर्तमान में भी बस्तर की शांति व सुरक्षा के लिए 56 हजार से अधिक जवान तैनात हैं। दुबारा हिंसा का वातावरण न बने इसलिए शांति स्थापना के बाद भी लगभग दो वर्ष तक यहां जवानों के तैनात रहने की संभावना है। बस्तर को नक्सलमुक्त कर शांति स्थापित करने में अहम भूमिका निभाने वाले बस्तर आईजी ▶▶| शेष पेज 6 पर

खास खबर

ऑपरेशनल ड्यूटी के साथ कई काम

सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी बम खोजने तक सीमित

लोगों के मन में यह सवाल भी उठता है कि शांति के समय जवान क्या करते हैं और उनका रूटीन क्या होता है? आईजी ने बताया कि सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी केवल आईईडी या बम खोजने तक सीमित नहीं है। उनका दैनिक कार्य कई आयामों में होता है, जैसे एरिया डोमिनेशन पेट्रोलिंग (जंगल और गांवों में गश्त) रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित करना होता है। इंटेलिजेंस संग्रह और ▶▶| शेष पेज 6 पर

बीजापुर व सुकमा जिले में सर्वाधिक कैंप

नक्सलियों के खात्मे व उनके पुनर्वास के लिए बीते वर्षों में सर्वाधिक कैंप बीजापुर और सुकमा जिलों में स्थापित किए गए हैं, क्योंकि ये क्षेत्र लंबे समय तक नक्सली गतिविधियों से सबसे अधिक प्रभावित रहे हैं। इसके अलावा कांकेर और नारायणपुर जिलों में भी रणनीतिक रूप से बड़ी संख्या में कैंप स्थापित किए गए हैं, जिससे उत्तर बस्तर और अबूझमाड़ क्षेत्र में सुरक्षा उपस्थिति मजबूत हुई है। बस्तर, कोंडागांव और दंतेवाड़ा जिलों में ▶▶| शेष पेज 6 पर

सुवेंदु सरकार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, हुमायूं कबीर की कार पर हमला

हिंसा के बीच बंगाल में टूटा रिकॉर्ड तमिलनाडु में भी ऐतिहासिक वोटिंग

हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल में पहले चरण के लिए बंपर वोटिंग हुई। मुर्शिदाबाद में उपद्रवियों ने हुमायूं कबीर की कार पर लाठी और ईंटों से हमला किया, वहीं भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु सरकार पर कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने पिटाई कर दी। पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से 152 सीटों पर पहले फेज में 91.46 फीसदी मतदान हुआ। वहीं, तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर रिकॉर्ड 84.29 फीसदी वोटिंग हुई। दोनों राज्यों के इतिहास में सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है।

एजेंसी ▶▶| कोलकाता/ चेन्नई

तमिलनाडु में एक ही चरण का चुनाव शांतिपूर्ण रहा, वहीं पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान ने हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। एक तरफ मतदाता भारी संख्या में पोलिंग बूथों पर पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ राज्य के विभिन्न हिस्सों से आगजनी, मारपीट और तोड़फोड़ के गंभीर मामले सामने आए। मुर्शिदाबाद के नौदा में उस समय हड़कंप मच गया जब एजेयूपी प्रमुख और रेजीनगर से उम्मीदवार हुमायूं कबीर के काफिले पर उपद्रवियों ने ईंटों और लाठियों से हमला कर दिया। इस दौरान टीएमसी और एजेयूपी कार्यकर्ताओं के बीच ▶▶| शेष पेज 6 पर

- विधानसभा चुनाव- प. बंगाल में 91.4 फीसदी और तमिलनाडु में 84.29 फीसदी मतदान
- पश्चिम बंगाल में पहले चरण पर 152 सीटें, तमिलनाडु में सभी 234 सीटों पर चुनाव

मालदा में ईवीएम खराब, फूटा गुस्सा

मालदा के मोथाबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में बालुआचारा हाई स्कूल स्थित मतदान केंद्र के बाहर ईवीएम में खराबी आने के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। चुनाव आयोग के अधिकारी के पहुंचने में देरी होने पर वोटर भड़क गए और उन्होंने अधिकारी को घेर लिया और बंधक सा बना लिया। कई मतदाता अफसर की बांह पकड़कर उन्हें खींचते हुए और उनके साथ हाथापाई करते हुए दिखाई दिए।

बंगाल में हिंसा का ऐसा हाल

- दक्षिण मिदनापुर में कुमारगंज सीट से भाजपा कैंडिडेट सुवेंदु सरकार को भीड़ ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। उनका सिक्योरिटी गार्ड उनके साथ था। इसके बावजूद भीड़ ने उन्हें खदेड़ दिया।
- पश्चिम बर्धमान जिले के बर्नपुर में आसनसोल साउथ सीट से भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल की कार पर हमला हुआ। इससे गाड़ी के पीछे का शीशा टूट गया।
- बीरभूम के बोधपुर गांव में ईवीएम खराब होने के बाद लोगों ने पुलिस और सेंट्रल फोर्स पर पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ भी की। घटना में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।
- मुर्शिदाबाद के नौदा में बुधवार देर रात देसी बम से हमले में कई लोग घायल हो गए। आम जनता उन्नयन पार्टी चीफ हुमायूं कबीर सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट, ▶▶| शेष पेज 6 पर

अमित को राहत, फिलहाल उम्रकैद की सजा पर रोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश में फिलहाल सुनवाई तक अमित जोगी को राहत दी है। जग्गी हत्याकांड मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर द्वारा पारित उम्रकैद की सजा अभी मुकर्रर नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने दो अलग-अलग आदेशों के प्रभाव और संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस बात की जानकारी अमित जोगी ने खुद सोशल मीडिया अकाउंट के हवाले से दी है। अमित जोगी को ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल समेत आधा दर्जन नामचीन वकीलों की टीम जिरह कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए, हाईकोर्ट द्वारा 25 मार्च को पारित आदेश के प्रभाव और संचालन को स्थगित कर दिया है। इसका अर्थ है कि फिलहाल उस आदेश का कोई ▶▶| शेष पेज 6 पर

अब आगे क्या

अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट विस्तृत सुनवाई करेगा, जिसमें साक्ष्यों, दलीलों और कानूनी पहलुओं की गहन समीक्षा की जाएगी। अंतिम निर्णय आने तक संबंधित हाईकोर्ट के आदेश लागू नहीं होंगे।

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%)	₹103903/-
22 कैरेट रेट (91.60%)	₹126900/-
24 कैरेट रेट (99.99%)	₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

ROYAL ENFIELD

CLASSIC 350

EMI की शुरूआत ₹1,888 प्रति लाख से।* | कॉल करें 9152 15 0000.

reown

Visit your nearest Royal Enfield Store to avail loyalty benefits of ₹5000. Available in select stores only.* *T&C Apply.

बंदूकों की गूंज और डर के तीन दशक बाद जगरगुंडा मेले में मांदर व नगाड़े की धुन में झूमे हजारों लोग

हरिभूमि ब्यूज ▶▶| सुकमा

अलग खबर

तीन दशक से भी ज्यादा समय तक नक्सल दंश झेल चुके जगरगुंडा में अब मांदर व ढोल बाजे और नगाड़े की धुन सुनाई देती है। आलम यह है कि बीहड़ कहे जाने वाले दो दर्जन ग्रामों के हजारों ग्रामीणों का हुजूम दशकों बाद मेले में शामिल होकर देवी की पूजा अर्चना की। तीन दिवसीय आयोजित इस मेले में आसपास के 23 पंचायतों के 54 गांवों से सिरहा, पुजारी, गायता और पेन तलापत्ति सहित हजारों ग्रामीण शामिल हुए। दूर-दराज से जनप्रतिनिधियों और व्यापारियों का जमावड़ा लगा, जिससे जगरगुंडा में रौनक देखते ही बन रही थी। स्थानीय बाजारों में लगी दुकानों पर ग्रामीणों ने जमकर खरीदारी की।

तीन दशकों के बाद दिखा बदलाव

ग्रामीणों और मेला समिति के अनुसार यह मेला पहले 12 वर्षों में एक बार आयोजित होता था, लेकिन लंबी अवधि को देखते हुए अब इसे हर 3 वर्षों में आयोजित किया जा रहा है। सलवा जुडूम के दौर के बाद यह मेला पूरी तरह बंद हो गया था।

23 पंचायतों के 54 ग्रामों के ग्रामीण हुए शामिल, तीन वर्ष बाद आयोजित

जब दीपिका हुई मेले में शामिल

मेले में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य एवं अधिवक्ता दीपिका शोरी ने दिनभर उपस्थित रहकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के साथ समय बिताया। उन्होंने मेला समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पारंपरिक रस्मों में भाग लिया। माँ दारेलम्मा के स्वागत-वंदन, पेद्दापंडुम मंडपम और देवी-देवताओं के मिलन समारोह में शामिल होकर क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति को नमन किया।

अभूतपूर्व उत्साह

सुरक्षा व्यवस्था की कमान सम्भाल रहे जगरगुंडा के एसडीओपी तोमेश वर्मा ने बताया कि इस बार मेले की धमक कुछ अलग ही उत्साह बयां कर रही थी। सुरक्षा को लेकर भी पुलिस की ओर से सारी तैयारी के बीच सहायता केंद्र भी खोले गए थे।

जोमैटो, स्विगी के डिलेवरी बॉय अब आएंगे श्रम कानून के दायरे में, हक और सुविधाएं भी

छत्तीसगढ़ सरकार ला रही सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कानून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में काम करने वाले हजारों डिलेवरी बाय, यानी गिग वर्कर जैसे जोमैटो, स्विगी जैसी कंपनियों के लिए काम करते है, इनके साथ ही ओला, उबर जैसी टैक्सी सर्विस के लिए काम करते है, के हक में राज्य सरकार एक बड़ा और अहम कदम उठाने जा रही है। सरकार इन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कानून ला रही है, जो इन्हें सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही शासकीय योजनाओं में हिस्सेदार भी बनाएगा। इस कानून का मसौदा बनकर तैयार है, इस पर 45 दिनों में दावा आपत्ति मंगाई गई है, इसके निराकरण के बाद यह लागू कर दिया जाएगा।

क्यों किया जा रहा है ये बदलाव : उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि को बताया कि दरअसल ये बदलाव क्यों किया जा रहा है। वजह ये है कि डिलेवरी बाय या गिग वर्कर को अब तक श्रमिक ही नहीं माना जाता है। ये लोग न संगठित क्षेत्र के श्रमिक के रूप में गिने जाते है, न ही असंगठित क्षेत्र में। दूसरी और जिन कंपनियों के लिए ये काम करते हैं वह इन्हें वर्कर न मानकर अपना वर्किंग पार्टनर मानती हैं और काम के बदले कमीशन के रूप में राशि अदा करती है। लिहाजा ये लोग अब तक किसी प्रकार से भी श्रम कानून के दायरे में नहीं आते हैं, लेकिन नया कानून इन्हें पूरी तरह संरक्षण देगा। इसी काम के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने 'सामाजिक सुरक्षा संहिता (छत्तीसगढ़) नियम, 2026 तैयार किया है।

गिग वर्कर्स के लिए प्रावधान

गिग वर्कर्स (जैसे जोमैटो, स्विगी, ओला, उबर के डिलीवरी पार्टनर या ड्राइवर) और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए इस संहिता में पहली बार व्यापक प्रावधान किए गए हैं। पहली बार कानून में 'गिग वर्कर' और 'प्लेटफॉर्म वर्कर' को परिभाषित किया गया है ताकि उन्हें कानूनी सुरक्षा मिल सके। सामाजिक सुरक्षा कोष राज्य सरकार एक विशेष कोष बनाएगी। इसमें एग्रीगेटर्स (कंपनियों) को अपने टर्नओवर का 1 से 2 प्रतिशत हिस्सा योगदान देना होगा।

सामाजिक सुरक्षा मंडल बनेगा श्रम मंत्री होंगे अध्यक्ष

इस कानून के तहत सामाजिक सुरक्षा मंडल का गठन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के श्रम मंत्री इस मंडल के पदेन अध्यक्ष होंगे । श्रम विभाग के सचिव उपाध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। मंडल में कुल 31 नामांकित सदस्य होंगे, जिनमें असंगठित श्रमिकों, नियोक्ताओं, छत्तीसगढ़ विधानसभा के सदस्यों और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व होगा ।

गिग वर्कर का होगा पंजीयन

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए आधार आधारित अनिवार्य पंजीकरण की व्यवस्था होगी। एकल खिड़की प्रणाली, रिपोर्टिंग और शिकायतों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाएगा ताकि श्रमिकों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। अब निश्चित अवधि के कर्मचारियों को भी ग्रैच्युटी का लाभ मिलेगा, भले ही उनकी सेवा पांच साल से कम हो।

9 अलग अलग कानूनों को मिलाकर बनाया एक

नए कानून की खास बात ये है कि श्रम से संबंधित 9 कानून जो अलग-अलग तरह के श्रमिकों के लिए बने थे, उन सभी को मिलाकर एक बनाया जा रहा है। इनमें कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, ईएसआई एक्ट, कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 ईपीएफ एक्ट, प्रसूति प्रसुविधा अधिनियम, 1961,उपादान भुगतान अधिनियम, 1972,सिने-श्रमिक कल्याण कोष अधिनियम, 1981,भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996,असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008, रोजगार कार्यालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) अधिनियम, 1959 शामिल है।

पर्यटन विभाग के बढ़े रेसोर्ट, कोरिया ट्री हाउस की ऑनलाइन बुकिंग शुरू, प्रकृति के बीच पर्यटकों को मिलेगा सुकून

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को नई दिशा देने और सैलानियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से होटलों एवं रेसॉर्ट्स की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड स्थित घुनघुट्टा में नवनिर्मित 'कोरिया ट्री हाउस' के लिए भी ऑनलाइन बुकिंग की शुरुआत कर दी है। अब पर्यटक आसानी से घर बैठे इस खूबसूरत ट्री हाउस में अपना स्टे बुक कर सकते हैं। इसे जिला प्रशासन ने तैयार किया है, जिसे पर्यटन विभाग संचालित करेगा। इस तरह पर्यटन विभाग के रेसोर्ट की संख्या 15 से अब 16 हो गई है। अब पर्यटन क्षेत्रों में रुकने की व्यवस्था प्रदेश में बढ़ रही है। बता दें कि प्राकृतिक वादियों और शांत वातावरण के बीच पूरी तरह से लकड़ी से निर्मित यह ट्री हाउस पर्यटकों को बेहद अनोखा अनुभव प्रदान करेगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ यहां प्री-वेडिंग और वीडियो शूटिंग की भी विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रही है।

पर्यटन बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पर्यटकों की सुविधा के लिए इस ट्री हाउस का किराया सीजन के आधार पर अलग-अलग निर्धारित किया गया है। नॉन-पीक सीजन के तहत 1 अप्रैल से 30 जून तक सप्ताह के सभी दिन (सोमवार से रविवार) का किराया एक समान रहेगा। इसके अंतर्गत सिंगल आवास के लिए 2100 रुपए, डबल के लिए 2625 रुपए और अतिरिक्त व्यक्ति के साथ 3150 रुपए का शुल्क तय किया गया है।वहीं, पीक सीजन यानी 1 जुलाई से 31 मार्च के दौरान किराए में दिन के अनुसार बदलाव लागू होगा। इस अवधि में सोमवार से गुरुवार तक सिंगल रूम के लिए 2625 रुपए, डबल के लिए 3150 रुपए तथा अतिरिक्त व्यक्ति सहित 3750 रुपए निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा वीकेंड यानी शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पर्यटकों की ज्यादा आवाजाही को देखते हुए सिंगल के लिए 2835 रुपए, डबल के लिए 3360 रुपए और अतिरिक्त व्यक्ति के साथ 3885 रुपए का किराया लागू होगा।

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विभाग द्वारा विभिन्न एजेंसियों को लीज पर दिए गए 15 पुराने मोटल्स अब आधुनिक स्वरूप में फिर शुरू होने जा रहे हैं। मई से राजधानी रायपुर के साथ जांजगीर-चांपा, कवर्धा और बिलासपुर में स्थित इन मोटल्स में पर्यटकों का स्वागत शुरू हो जाएगा। इसके पहले दुर्ग, रायगढ़ और कोरिया में ही मोटल्स शुरू किए गए थे। निजी एजेंसियों के हाथों में जाने के बाद इन मोटल्स की सुविधाओं को आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया गया है, जहां अब पर्यटकों को स्विमिंग पूल, बार और रेस्टोरेंट जैसी आधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। इसी कड़ी में रायपुर के माना-तूता क्षेत्र में एक भव्य लग्जरी रेसॉर्ट का शुभारंभ भी मई में होने जा रहा है।

पर्यटन विभाग ने पहले इन रिसोर्ट को तैयार करने पर करोड़ों रुपए खर्च किए, लेकिन पर्यटकों को यहां आवश्यक फैसिलिटी नहीं दी। इस वजह से पर्यटकों ने भी यहां आना-जाना बंद कर दिया। अब विभाग ने ऐसे रेसोर्ट को 30 साल के लिए लीज पर दिया है। यहां पर्यटकों को बार, स्वीमिंग पूल, स्पोर्ट्स व गेम जोन के अलावा मिनी थिएटर की सुविधाएं दी जा रहीं। विभाग ने पहले रेसोर्ट का संचालन शुरू करने डेढ़ साल की मोहलत दी थी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ के आधे दर्जन जिलों में मोटल की सुविधा बढ़ जाएगी। एजेंसी फैसिलिटी बढ़ाने में जुटी हुई है।

107 किशोरियों को लगाया एचपीवी का निशुल्क टीका

रायपुर। सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौत को रोकने के लिए एम्स, जिला एवं आंबेडकर अस्पताल सहित तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निशुल्क एचपीवी की वैक्सीन लगाई जा रही है। निराश करने वाली बात यह है कि गंभीर बीमारी से बचाने वाली इस निशुल्क टीका के प्रति झिझक कम नहीं हो रही है।

राशिफल

मेष करियर में नई चुनौतियां स्वीकार करने का मौका मिलेगा, मेहनत से तरक्की संभव है। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च से बचें।

वृष काम में धैर्य से सफलता मिलेगी, व्यापार में अच्छे सौदे हो सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताना फायदेमंद रहेगा।

मिथुन चंद्रमा मिथुन से कर्क की ओर जाने से भावनाओं में उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन गुरु का प्रभाव बुद्धिमत्ता बढ़ाएगा। प्रेम में उत्साह और रोमांस रहेगा।

कर्क करियर में मेहनत की जरूरत पड़ेगी, लेकिन परिणाम सकारात्मक रहेंगे। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। प्रेम संबंधों में संवाद बढ़ाएं, गलतफहमियां दूर होंगी।

सिंह आज नेतृत्व और आत्मविश्वास का दिन होगा। चंद्रमा सिंह में प्रवेश करने से ऊर्जा और रचनात्मकता बढ़ेगी। दिन शानदार रहेगा।

कन्या नौकरी में छोटे बदलाव या नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। निवेश सावधानी से करें। परिवार में शांति और समझ बनी रहेगी।

तुला करियर में टीम वर्क फायदेमंद रहेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार के साथ समय बिताना सुखद होगा। प्रेम जीवन में रोमांस और खुशियां रहेंग।

वृश्चिक करियर में कड़ी मेहनत रंग लाएगी। आर्थिक दृष्टि से दिन मिश्रित रहेगा। परिवार में छोटी बहस से बचें, संयम रखें। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें।

धनु आज भाग्य और ऊर्जा का दिन रहेगा। गुरु का प्रभाव नई प्रेरणा देगा। करियर और व्यापार में प्रगति होगी, आर्थिक लाभ अच्छा रहेगा।

मकर करियर में उपलब्धियां हासिल होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार में सम्मान और सहयोग बढ़ेगा। प्रेम में गंभीरता और विश्वास दिखाएं।

कुंभ आर्थिक पक्ष अनुकूल रहेगा। मित्रों और सामाजिक दायरे से सहयोग मिलेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। प्रेम जीवन में रोमांच रहेगा।

मीन करियर में भावनात्मक बुद्धि काम आएगी। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार में भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा। प्रेम जीवन में गहराई और समझ आएगी।

हाईकोर्ट ने पूर्व सेवा गणना आधार पर पेंशन प्रकरणों का निर्धारण करने दिया आदेश

बिलासपुर। शिक्षकों के पेंशन के संबंध में हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने शिक्षक एलबी राजेन्द्र प्रसाद पटेल की याचिका पर सुनवाई के बाद राज्य शासन की अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने शिक्षाकर्मी एलबी की पूर्व सेवा गणना के आधार पर पेंशन के प्रकरणों का निर्धारण करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने साफ कहा है कि ओपीएस में पूर्व सेवा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नगर निगम चिरमिरी में पदस्थ शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद पटेल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर संविलियन से पूर्व की सेवा को पुरानी पेंशन योजना ओपीएस में शामिल करने की मांग की थी। याचिका में कहा है कि संविलियन के बाद भी उनकी पूर्व सेवा को पेंशन गणना में नहीं जोड़ा जा रहा है जो उनके साथ अन्याय है। हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह पूर्व सेवा को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने पर विचार करें। इसके लिए सरकार को 120 दिनों का समय भी दिया गया था। हालांकि इस निर्देश पर अमल करने के बजाए राज्य सरकार ने सिंगल बेंच के फैसले को चुनौती देते हुए डिवीजन बेंच में अपील की थी। डिवीजन बेंच में सुनवाई के दौरान शिक्षक राजेन्द्र प्रसाद पटेल भी पक्षकार के रूप में शामिल रहे। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई। राज्य सरकार ने अपने पक्ष में संविलियन की शर्तों का हवाला दिया। सरकार का तर्क था कि संविलियन के समय जो शर्तें तय की गई थी उसी के आधार पर पेंशन का निर्धारण किया जाना चाहिए। कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया कि जब संविलियन के दौरान पूर्व सेवा की गणना को मान्यता दी गई है तो फिर पुरानी पेंशन योजना में उसे शामिल करने में कोई बाधार नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने माना कि पूर्व सेवा को नजरअंदाज करना न्यायसंगत नहीं है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया और सिंगल बेंच के आदेश को बरकरार रखा।

हाईकोर्ट ने रेरा को बताया नियामक संस्था, कोर्ट की श्रेणी में नहीं माना

हरिभूमि न्यूज, बिलासपुर

हाईकोर्ट के जस्टिस बीडी गुरु की बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि रेरा यानी रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी एक विशेष नियामक संस्था है, जिसे कोर्ट की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने मकान खरीदने वालों के अधिकार को लेकर कहा कि रेरा में शिकायत दर्ज कराने के लिए समय सीमा की कोई पाबंदी नहीं है। इसलिए देरी के आधार पर शिकायतों को खारिज नहीं कर सकता। मामला इस तरह है कि जगदलपुर निवासी निधि साव ने रायपुर की सीमा से लगे दुर्ग जिले के अमलेश्वर स्थित ग्रीन अर्थ सिटी में एक फ्लैट बुक किया था। बिल्डर पर समय पर कब्जा नहीं देने और घटिया निर्माण का आरोप लगा। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्थानीय प्रशासन से की, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने उनकी शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने परेशान होकर रेरा में शिकायत की थी। इस पर रेरा ने बिल्डर को दो महिने में काम पूरा कर कब्जा देने का आदेश दिया। इसके साथ ही याचिकाकर्ता खरीददार को भी बकाया राशि जमा करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ खरीददार ने रेरा अपीलीय ट्रिब्यूनल में अपील की।

ट्रिब्यूनल के फैसले खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती

ट्रिब्यूनल ने सुनवाई करने बजाए यह कहते हुए मामला खारिज कर दिया कि शिकायत दर्ज करने में बहुत देरी हुई है। निधि साव ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द कर दिया है। इस मामले को वापस ट्रिब्यूनल को भेजते हुए निर्देश दिया है कि अब इस मामले की सुनवाई गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से की जाए न कि समय-सीमा के तकनीकी आधार पर किया जाए। दरअसल रेरा एक्ट की धारा 31 के तहत शिकायत करने के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की गई है। लिमिटेशन एक्ट मुख्य रूप से समान्य दीवानी अदालतों पर लागू होता है। रेरा जैसे विशेष निकायों पर इसे तब तक नहीं लागू किया जा सकता जब तक कानून में स्पष्ट न लिखा हो।

निलंबित कलेक्टर रानू के रिश्तेदारों की संपत्ति अटैच करने के खिलाफ याचिका खारिज

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कोरबा के पूर्व एवं निलंबित कलेक्टर रानू साहू के रिश्तेदारों को करोड़ों की संपत्ति अटैच किए जाने के खिलाफ पेश सभी याचिकाएं खारिज कर दी है। कोल लेव्ही वसूली एवं मनीलांड्रिंग के मामले में ईडी ने रानू साहू के रिश्तेदार तुषार साहू, रानू साहू, कजिन पंकज साहू, पीयूष्ज्ञ साहू, पूनम साहू, अरूण साहू और लक्ष्मी साहू, सहलिनी साहू, रेवती साहू की संपत्ति अटैच की है। इस कार्रवाई के खिलाफ सभी ने अलग-अलग याचिका पेश की थी। याचिका में कहा गया कि ईडी ने रानू साहू के कोरबा कलेक्टर रहने से पूर्व में खरीदी गई संपत्ति को अटैच किया है। अपीलेट ट्रिब्यूनल से अपील खारिज हुई है जो कि गलत है। अटैच प्रॉपर्टी को मुक्त कराने की मांग की गई। इसके अलावा एफआईआर में उनका नाम नहीं है। चीफ जस्टिस ने सुनवाई उपरांत अपने आदेश में कहा कि जुर्म से पहले खरीदी गई प्रापर्टी पीएमएलए के तहत अपने आप अटैचमेंट से सुरक्षित नहीं होती है। ऐसी अटैचमेंट का मकसद अपराधियों को जुर्म से होने वाले आर्थिक फायदों को अपने पास रखने से रोकना है। एनफोर्समेंट अथारिटी के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह सीधे सबूतों से यह साबित करें कि जिस प्रापर्टी की बात हो रही है वह क्राईम से हुई कमाई है। मनी लॉड्रिंग के मामले में काम करने का तरीका अक्सर घुमावदार और साफ न दिखने वाले फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़ा होता है जिससे सीधे सबूत मिलना मुश्किल हो जाता है। फाइनेंशियल एनालिसिस प्रापर्टी खरीदने की टाइमलाइन और वेरिफाई की जा सकने वाली जायज इनकम की कमी समेत पेश किए गए मैटेरियल के आधार पर यह कोर्ट इस बात से सहमत है कि प्रापर्टी और पीओसी के बीच पहली नजर में एक कनेक्शन है। इसके साथ ही कोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

शब्द पहेली - 6205

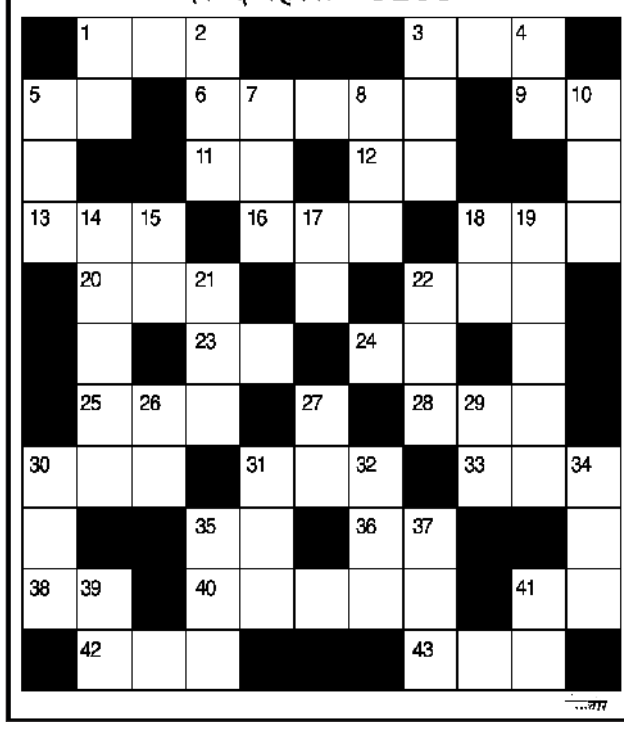

बाएँ से दाए-
1. ईश्वर, करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2, 1, 2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत, दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन, पगार-3
16. मनोनीत, नामकृत-3
18. बंधक, गिरवी वस्तु-3
20. निशा, रात्री-3
22. वचन, प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य, कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार, फटकार-3
30. हवा, पवन-3
31. झाझर, कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर, भूत-2
40. परोपकारी, जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे
1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान, खजांची-3
4. पैगंबर, रसूल-2
5. झूठ, मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम, मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा, दोस्त-2
18. मजा, आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः, वापस-2
27. मकरी, पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त, टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा, विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -6204 का हल

सूडोकु नवताल - 6215

कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SEMACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6214 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

बिलासपुर, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | बैशाख शुक्ल पक्ष अष्टमी | वर्ष : 26, अंक : 33 | पृष्ठ : 10+6 =16, मूल्य : 5 .00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टंकी है मगर पानी नहीं नल लगे पर पाइपलाइन अब तक नहीं बिछाई

भूषण देशलहरे ⏭ पाटन

दुर्ग जिले के पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में भीषण गर्मी के बीच गांव के लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। दूसरी तरफ कागजों में यहां पानी की पूरी व्यवस्था दिखा दी गई है। हालात इतने बदतर हैं कि गांव में पानी की टंकी तो खड़ी है, लेकिन उसमें पानी नहीं है। नल लगाए गए हैं, मगर पाइपलाइन आज तक नहीं बिछाई गई।

'हरिभूमि' की ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया कि वार्ड क्रमांक 11 सहित कई हिस्सों में महिलाएं रोजाना दूर दराज के बोरिंग से पानी लाने को मजबूर हैं। गांव की एक महिला ने बताया, ⏭ शेष पेज 6 पर

21 करोड़ की लागत से 23 गांव में पहुंचाना है पानी, कछुआ गति से चल रहा जल जीवन मिशन

शो पीस साबित हो रही गांव-गांव में बनी पानी टंकियां

दिलीप साहू निकुम

अप्रैल माह की इस भीषण गर्मी में निकुम व आसपास के क्षेत्रों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव में लगे हैण्डपंप ,बोर भी दम तोड़ रहे है,कई बार सिर्फ हवा निकलती है। लगभग 21 करोड़ लाख की लागत से अमल में आने वाली निकुम जल ⏭ शेष पेज 6 पर

हरिभूमि लगातार

21 करोड़ की लागत से 23 गांवों की प्यास बुझाएगी शिवनाथ नदी

विभागीय जानकारी के अनुसार दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र में निकुम जल प्रदाय योजना के अंतगर्त लगभग 21 करोड़ की लागत से अंजोरा, थनौद , रुदा,खाड़ा ,भोथली ,तिरगा, आलबरस, चंगोरी, चिंगरी, आमटी, ⏭ शेष पेज 6 पर

जुलाई तक का लक्ष्य

लगातार कार्य चल रहा है। वर्तमान में 80 प्रतिशत कार्य हो गया है। बहुत जल्द पेयजल आपूर्ति शुरू हो सके, प्रयास है। विभागीय स्तर पर जुलाई 2026 तक का लक्ष्य है।

-उत्कर्ष पांडे ई ई पी एच ई दुर्ग

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपे परिचय पत्र

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को समारोह में चार देशों के राजनयिकों ने अपने परिचय-पत्र सौंपे। लाओ

पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक के विथाया ज़ायावोंग, कांगो गणराज्य की एमिली आयाजा मुशोबेकवा, नामीबिया के विंग कमांडर एलेक्स लुन्याजो टुकुहुपवेले तथा गिनी-बिसाऊ गणराज्य के एंटोनियो सेरिफो एम्बालो शामिल थे।

हवाई अड्डे पर नौ करोड़ का गांजा बरामद

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने चार भारतीय यात्रियों को मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से लगभग नौ करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किया गया। बैंकॉक से आ रहे ये यात्री 21 अप्रैल को यहां उतरे थे और अधिकारियों ने संदेह होने पर उन्हें रोक लिया।

छापेमारी कर 104 सिलेंडर जब्त किए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगोलपुरी और जहांगपुरी इलाकों में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी

और कालाबाजारी में कथित रूप से शामिल दो अलग अलग गिरोह का भंडाफोड़ किया। इनमें 100 से ज्यादा सिलेंडर बरामद किए हैं तथा पांच आरोपियों को पकड़ा है।

विशिष्ट सूचना पर टीम ने मंगोलपुरी के टी-ब्लॉक में पंकज गैस एजेंसी के पास छापेमारी की।

ट्रक की टक्कर से महिला व उसके बेटे की मौत

नई दिल्ली। नोएडा में एक सड़क हादसे में एक महिला और उसके दो वर्षीय बेटे की मौत हो गई, जबकि महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे थाना फेस-तीन में सेक्टर-68 के पास हुआ जब मुबारक अंसारी अपनी पत्नी समा खातून और दो वर्षीय बेटे नमन अंसारी के साथ खरीदारी करने गए थे तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

बीकाजी के संस्थापक शिव रतन का निधन

जयपुर। 'बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड' के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिव रतन अग्रवाल का चेन्नई में निधन हो

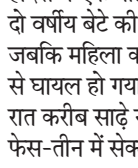

गया। 74 वर्षीय अग्रवाल चेन्नई में थे। बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। अग्रवाल की पत्नी की हाल में हृदय की बाईपास सर्जरी हुई थी।

पांच साल पहले जुटते थे 22 हजार करोड़, अब 44 हजार करोड़ से ज्यादा

छग के किसानों से लगान वसूली में गिरावट, पर स्वयं के टैक्स से भरा खजाना, पांच साल में दोगुना

जिया कुरैशी ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में किसानों से वसूले जाने वाले लगान यानी भू-राजस्व करों की वसूली में पिछले पांच सालों में कमी आई है, ये छत्तीसगढ़ सरकार की कृषि हितैषी नीति की वजह से हो सकता है, लेकिन दूसरी ओर राज्य के स्वयं के राजस्व कर संग्रह में पांच साल में दोगुना से अधिक इजाफा हुआ है। सरकार को पांच साल पहले 22 हजार करोड़ रुपए इस मद से मिलते थे, जो अब बढ़कर 44 हजार करोड़ हो गए हैं। यह इस बात का साफ संकेत है कि राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। यही नहीं, राज्य में उपभोग और व्यावसायिक गतिविधियां भी तेजी के साथ बढ़ी हैं। सबसे अधिक राजस्व स्टेट जीएसटी, राज्य उत्पाद शुल्क विद्युत कर से मिला है।

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार के ताजा वित्तीय आंकड़ों ने राज्य की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की एक नई तस्वीर पेश की है। पिछले पांच वर्षों (2020-21 से 2024-25) ⏭ शेष पेज 6 पर

कर मद	2020-21 की तुलना में 2024-25 में वृद्धि / (कमी) राशि (करोड़ में)	प्रतिशत (%)
1. बिक्री एवं व्यापार कर आदि पर कर	2,644.29	62.44% ↑
2. राज्य उत्पाद शुल्क	5,506.04	118.80% ↑
3. वाहनों पर कर	1,169.92	101.94% ↑
4. स्टांम्प तथा पंजीकरण शुल्क	1,383.99	87.29% ↑
5. विद्युत पर कर एवं शुल्क	2,721.83	116.24% ↑
6. भू-राजस्व	(118.67)	(12.65%) ↓
7. माल तथा यात्री कर	194.75	243.83% ↑
8. राज्य वस्तु एवं सेवा कर (GST)	8,373.58	105.61% ↑
9. अन्य कर	0.05	12.82% ↑
कुल स्वयं के कर संग्रहण	21,875.79	95.60% ↑

मुख्य बिंदु

- राज्य वस्तु एवं सेवा कर (GST) में सबसे अधिक वृद्धि (8,373.58 करोड़) हुई, जो कुल वृद्धि का प्रमुख कारण है।
- राज्य उत्पाद शुल्क, विद्युत कर एवं बिक्री कर में भी निरंतर वृद्धि देखने को मिली।
- भू-राजस्व में 118.67 करोड़ की कमी दर्ज हुई।

बुनियादी ढांचे और परिवहन क्षेत्र में तेजी

आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट क्षेत्र में भी सकारात्मक बदलाव आए हैं। स्टांप एवं पंजीकरण शुल्क- इसमें लगभग 87 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 1 हजार 584 करोड़ से बढ़कर 2 हजार 968.94 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह जमीन और संपत्तियों की बढ़ती खरीद-फरोख्त का संकेत है। वाहनों पर कर- परिवहन क्षेत्र से मिलने वाले कर में दोगुनी वृद्धि हुई है (1 हजार 148 करोड़ से 2 हजार 317.99 करोड़), जो राज्य के नागरिकों की बढ़ती क्रय शक्ति को दर्शाता है। विद्युत कर- उद्योगों और घरेलू खपत में वृद्धि के कारण बिजली पर मिलने वाला कर 2 हजार 341 करोड़ से बढ़कर 5 हजार 063.24 करोड़ रुपये हो गया है।

लगान (भू-राजस्व) में कमी

जहां लगभग हर क्षेत्र में वृद्धि हुई है, वहीं भू-राजस्व (लैंड रेवेन्यु) में पिछले चार वर्षों में गिरावट का रुझान देखा गया है। 2021-22 में यह 949.94 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में घटकर 819.04 करोड़ रुपये रह गया है। पिछले कुछ वर्षों में भुइयां पोर्टल के माध्यम से भू-राजस्व रिकॉर्ड का व्यापक डिजिटलीकरण किया है। ऑनलाइन सिस्टम आने से पुराने समय में होने वाली मैन्युअल गणना की विसंगतियां दूर हुई हैं। डिजिटल डेटा शुद्धिकरण के ⏭ शेष पेज 6 पर

लगान में रियायत

छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक राहत देने के उद्देश्य से कई बार लगान (लैंड टैक्स) की वसूली को शिथिल किया जाता है या माफ किया जाता है। यह भी कारण हो सकता है कि राज्य में तेजी से शहरीकरण और औद्योगिकरण हो रहा है। जब कृषि भूमि को 'डायवर्जन' के जरिए औद्योगिक या आवासीय भूमि में बदला जाता है, तो वह भू-राजस्व के दायरे से निकलकर अन्य शुल्कों या टैक्स (जैसे संपत्ति कर या विकास शुल्क) ⏭ शेष पेज 6 पर

राजस्व के दो मजबूत स्तंभ

राज्य की आय में सबसे बड़ी हिस्सेदारी छत्तीसगढ़ वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) की रही है। इसमें पांच वर्षों में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 7 हजार,925 करोड़ से बढ़कर 16 हजार 298.59 करोड़ रुपये हो गई है। इसके साथ ही, राज्य उत्पाद शुल्क में भी जबरदस्त उछाल आया है। वर्ष 2020-21 में यह 4 हजार 635.80 करोड़ रुपये था, जो अब 10 हजार141.84 करोड़ रुपये हो गया है। यह वृद्धि दर्शाती है कि राज्य में उपभोग और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं।

सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षाएं 15 से 21 मई तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने गुरुवार को 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा का कार्यक्रम घोषित कर दिया, जो 15 मई से 21 मई तक आयोजित होगी। सीबीएसई द्वारा जारी 'डेटशीट' के अनुसार, परीक्षा की शुरुआत 15 मई को गणित (स्टैंडर्ड और बेसिक) के पर्चे से होगी। इसके बाद 16 मई को अंग्रेजी (कम्युनिकेटिव) और अंग्रेजी (लैंग्वेज एंड लिटरेचर) की परीक्षा होगी। विज्ञान विषय की परीक्षा 18 मई को आयोजित की जाएगी। 19 मई को भाषा और वैकल्पिक विषयों की परीक्षा निर्धारित की गयी है।

■ गणित के पर्चे से शुरुआत

इस सत्र से दो बार परीक्षाएं

सीबीएसई ने 2026 से 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं वर्ष में दो बार आयोजित करना शुरू किया है। यह 'डेटशीट' परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज द्वारा जारी की गई है। इसे सीबीएसई द्वारा 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के पहले संस्करण का परिणाम घोषित किए जाने के एक सप्ताह बाद जारी किया गया।

पहली अनिवार्य, दूसरी वैकल्पिक

फरवरी में हुई पहली परीक्षा अनिवार्य थी, जबकि दूसरी परीक्षा वैकल्पिक है, जो मई में अंकों में सुधार या अनुत्तीर्ण विषयों को पास करने के लिए आयोजित की जाएगी। सीबीएसई के अनुसार, छात्र दूसरी परीक्षा में अधिकतम तीन विषयों में शामिल हो सकते हैं और अपने सर्वश्रेष्ठ अंक हासिल कर सकते हैं।

युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति का विवादित बयान

ट्रंप ने पहले भारत को बताया था नरक, अब कहा- यह महान देश

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन/तेहरान/नई दिल्ली

अमेरिका की राजनीति एक बार फिर बयानबाजी के केंद्र में है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक चिट्ठी साझा करते हुए जन्म के आधार पर मिलने वाली नागरिकता पर सवाल उठाए और भारत-चीन जैसे देशों पर तीखी टिप्पणी की। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में भारत और चीन को "हेल होल" यानी 'नरक का द्वार' बताया। उन्होंने कहा कि जन्म के आधार पर नागरिकता का फायदा उठाकर प्रवासी अपने बच्चों को अमेरिकी नागरिक बनाते हैं और फिर पूरा परिवार अमेरिका में बस जाता है। इस बीच, महज 24 घंटे के भीतर ट्रंप ने भारत को लेकर जो यूटर्न लिया है, उसी भारत को उन्होंने एक महान राष्ट्र बताया है। इतना ही नहीं, ये भी कहा कि शीर्ष पर मेरा सबसे अच्छा दोस्त है।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोल का हवाला देते हुए दावा किया कि ज्यादातर लोग इस कानून को सीमित करने के पक्ष में हैं। ट्रम्प ने खासतौर पर कैलिफोर्निया के टेक सेक्टर का जिक्र किया। उनका कहना है कि हाई-टेक नौकरियों में भारत और चीन के लोगों का दबदबा बढ़ता जा रहा है।

होर्मुज में बारूदी सुरंग बिछाने वालों पर ट्रंप का 'डेथ वारंट'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बेहद सख्त आदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज में अगर कोई भी नाव समुद्र में माइन यानी पानी के नीचे विस्फोटक बिछाती दिखे, तो अमेरिकी नौसेना उसे तुरंत डुबो दे। कोई सोच-विचार नहीं, कोई देरी नहीं। साथ ही माइन हटाने का ऑपरेशन तीन गुना बढ़ाने का भी आदेश दिया गया है। ये बयान ऐसे वक्त आया है जब होर्मुज पहले से ही दुनिया के सबसे तनावपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक बना हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बिल्कुल साफ और कड़े शब्दों में कहा कि अगर होर्मुज में कोई भी नाव या जहाज माइन बिछाता नजर आए तो अमेरिकी नौसेना उसे तुरंत मार गिराए। उन्होंने कहा कि इसमें कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ट्रुथ सोशल पोस्ट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमने कुछ रिपोर्टें देखी हैं। बस इतना ही कहना चाहूंगा।

ईरान ने कहा- भारत और चीन सभ्यता के पालने

हैदराबाद स्थित ईरान के महावाणिज्य दूतावास ने ट्रंप के बयान को लेकर भारत का समर्थन किया है। दूतावास ने कहा, हर दिन एक नई पोस्ट के साथ ट्रंप की अमानवीयता अनंत से भी परे साबित होती है। यही तो असल नस्लवाद है। चीन और भारत सभ्यता के पालने हैं। असल में नरक का द्वार वह जगह है, जहां के युद्ध-अपराधी राष्ट्रपति ने ईरान की सभ्यता को तबाह करने की धमकी दी थी।

30 को विधानसभा का विशेष सत्र सचिवालय ने जारी की अधिसूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 30 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। 30 अप्रैल को आयोजित होने वाले विशेष सत्र में महिला आरक्षण कानून और परिसीमन से संबंधित 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक के पारित न होने के विरोध में एक निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष पर इस ऐतिहासिक सुधार में रुकावट डालने का आरोप लगाया है और इसे महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया है। सीएम साय ने कहा, महिला आरक्षण कानून का विरोध करने से यह दिखता है कि विपक्ष महिलाओं के सशक्तिकरण के खिलाफ खड़ा है। ⏭ शेष पेज 6 पर

7 साल का बकाया बना सिरदर्द, अब लोक अदालत में समझौते की राह

न्यायालय के आदेश पर कलेक्टर दफ्तर कुर्क करने पहुंचा अमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

कवर्धा में एक छोटे से बकाया भुगतान का मामला प्रशासन के लिए बड़ी किरकिरी का कारण बन गया। न्यायालय के आदेश की अनदेखी के चलते खाद्य विभाग कार्यालय से लेकर कलेक्टर न्यायालय तक कुर्की की कार्रवाई शुरू हो गई, जिससे पूरे महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि अंतिम समय में नेशनल लोक अदालत में समाधान की सहमति बनने से फिलहाल राहत मिल गई है।

कवर्धा जिले में खाद्य विभाग द्वारा वर्षों से ⏭ शेष पेज 6 पर

कुर्की का आदेश दिया

वर्ष 2019 में भोरमदेव महोत्सव व विधानसभा में प्रशासन व खाद्य विभाग द्वारा दिए गए आर्डर का करीब 6 से 7 लाख का बिल भुगतान शेष था, जिसमें कुछ भुगतान किया गया है। बचत राशि की भरपाई के लिए जिला न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश दिया गया है।

-पोखराज सिंह परिहार, अधिवक्ता

वर्ष 2019 से अटका है वृंदावन रेस्टोरेंट का बिल

जानकारी के अनुसार 2019 में खाद्य विभाग ने वृंदावन रेस्टोरेंट संचालक से भोजन सप्लाई के लिए अनुबंध किया था, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। लंबे समय तक भुगतान के लिए चक्कर लगाने के बाद संचालक ने जिला न्यायालय में परिवाद दायर किया। इस मामले में लगभग 4 लाख 61 हजार 914 रुपये (ब्याज सहित) की राशि बकाया है।

कारोबारी ऑनलाइन जमा कर सकते हैं अपील तथा आवेदन

रायपुर में होगा अब जीएसटी विवादों का समाधान, बेंच ने शुरू किया काम

राजधानी में जीएसटी की अपीलीय बेंच शुरू होने से कारोबारियों के विवादों का जल्द होगा निपटारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के कारोबारियों के जीएसटी विवादों का निपटारा अब राजधानी में होगा। नवा रायपुर में वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) बेंच ने गुरुवार से औपचारिक रूप से कार्य करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में सूचना जारी कर जानकारी दी गई है। बेंच को फिलहाल नवा रायपुर स्थित वाणिज्यिक कर-जीएसटी भवन परिसर में अस्थायी रूप से स्थापित किया गया है। यह बेंच अब राज्य के भीतर उत्पन्न सभी जीएसटी विवादों की सुनवाई करेगी। नवा रायपुर में वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण शुरू होने के बाद ⏭ शेष पेज 6 पर

हरिभूमि सरोकार

ऑनलाइन अपील दायर कर सकते हैं

वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियम 2025 के तहत कारोबारी कर विवाद का निपटारा करने अपील तथा आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इसके लिए ई-फाइलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुगम होगी। कारोबारियों की तकनीकी सहायता के लिए हेल्पलाइन और ऑनलाइन सपोर्ट भी उपलब्ध है।

बार एसोसिएशन करेगा सहयोग

राज्य जीएसटी अपीलिएट बार ट्रिब्यूनल एसोसिएशन ने जीएसटी देने वाले कारोबारियों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया है। एसोसिएशन ने अपील दाखिल करने, प्रक्रिया समझने और अधिकरण में पेशी से जुड़े मामलों में मार्गदर्शन देने की बात कही है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने इसे राज्य के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि अब हजारों लंबित जीएसटी मामलों के निपटारा के ⏭ शेष पेज 6 पर

चिंतन

रिकॉर्ड मतदान परिपक्व लोकतंत्र का संकेत

हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में जिस तरह रिकॉर्ड मतदान दर्ज हुआ है, उसने भारतीय लोकतंत्र की जड़ों की मजबूती को एक बार फिर प्रमाणित किया है। दोनों राज्यों के लोगों ने वोटिंग में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बंगाल में लगभग 90 प्रतिशत और तमिलनाडु में 82 प्रतिशत मतदान हुआ। तमिलनाडु में पहली बार मतदाताओं ने इतनी बड़ी संख्या में वोट डाले। यह प्रमाणित करता है कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ें बेहद मजबूत हैं। ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस बढ़ती राजनीतिक चेतना का संकेत हैं, जो अब समाज के हर वर्ग तक पहुंच चुकी है। लोकतंत्र की असली ताकत नागरिकों की भागीदारी में निहित होती है। जब अधिक से अधिक लोग मतदान करते हैं, तो यह स्पष्ट संदेश जाता है कि जनता अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक है। लोग अपने मत के महत्व को समझने लगे हैं और उसका प्रयोग कर अपने मन व हितों को समझने वाले जनप्रतिनिधि के चुनाव के लिए कर रहे हैं। बंगाल में एक चरण का मतदान हो चुका है, अब उम्मीद है कि अगले चरण में भी रिकॉर्ड तोड़ मतदान होगा। बड़ी संख्या में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की राय भी चुनाव परिणाम में परिलक्षित होगी। लंबे समय तक यह चिंता जताई जाती रही कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है या युवा वर्ग राजनीति से दूरी बनाए रखता है। इस बार के आंकड़े इस धारणा को काफी हद तक तोड़ते नजर आते हैं। खासतौर पर पहली बार वोट डालने वाले युवाओं की सक्रियता इस बदलाव का महत्वपूर्ण पहलू है। उच्च मतदान के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एक तरफ जहां राजनीतिक दलों की सक्रियता और चुनावी मुद्दों की तीव्रता मतदाताओं को मतदान केंद्र तक खींचती है, वहीं दूसरी ओर मतदाता सूचियों में सुधार भी एक अहम कारक है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद सूचियों को अधिक सटीक बनाया गया है, जिससे फर्जी, या निष्क्रिय, दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके लोगों के नामों को हटाया गया। इसका सीधा असर मतदान प्रतिशत पर पड़ा है, क्योंकि अब वास्तविक मतदाताओं की भागीदारी ज्यादा स्पष्ट रूप से सामने आ रही है। असम, केरल और पुडुचेरी में भी हाल के चुनावों में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। यह प्रवृत्ति बताती है कि देशभर में मतदाता अब पहले की तुलना में अधिक सजग और सक्रिय हो रहे हैं। यह केवल चुनावी उत्साह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था का संकेत है। रिकॉर्ड मतदान का एक बड़ा लाभ यह है कि इससे चुनी गई सरकारों की वैधता और स्वीकार्यता बढ़ती है। जब बड़ी संख्या में लोग मतदान करते हैं, तो यह सरकार को व्यापक जनादेश प्रदान करता है। इसके परिणामस्वरूप सरकारों पर यह दबाव भी बनता है कि वे किसी एक वर्ग या समुदाय के बजाय सभी के हितों को ध्यान में रखकर नीतियां बनाएं। इस तरह उच्च मतदान सामाजिक समावेशन और संतुलित विकास को भी बढ़ावा देता है। यदि यह जागरूकता मतदान के बाद भी बनी रहती है, तभी लोकतंत्र वास्तव में परिपक्व कहा जा सकता है। कुल मिलाकर बंगाल और तमिलनाडु में हुआ रिकॉर्ड मतदान भारतीय लोकतंत्र की जीवंतता और मजबूती का प्रतीक है। यह दर्शाता है कि देश का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय हो चुका है। इस उत्साह को बनाए रखने के लिए जरूरी है कि चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाया जाए। तभी यह कहा जा सकेगा कि भारत का लोकतंत्र न केवल विशाल है, बल्कि वास्तव में परिपक्व भी है।

दिवस विशेष

बलकार सिंह पूनियां

खामोशी से बदलता ग्रामीण भारत

भारत में पंचायती राज प्रणाली देश की शासन संरचना का एक अनूठा और अपरिहार्य हिस्सा है, जिसे सत्ता के विकेंद्रीकरण को सुनिश्चित करने और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह प्रणाली भारत की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्थाओं में निहित है और देश के लोकतांत्रिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह न केवल स्थानीय लोकतंत्र को बढ़ावा देती है, बल्कि सहभागी शासन को भी सशक्त बनाती है और जमीनी स्तर पर जनता की आवाज़ को प्राथमिकता प्रदान करती है। "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः"- भारत की सनातन संस्कृति में नारी सम्मान और सशक्तिकरण की समृद्ध परंपरा रही है। आज भी महिलाएं इस गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व कर रही हैं, जिससे नारी सशक्तिकरण का स्वर्णिम अध्याय निरंतर विस्तार पा रहा है। भारतीय लोकतंत्र की असली ताकत उसके गांवों में निहित है और इन गांवों की शासन व्यवस्था को सशक्त बनाने में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

73वें संविधान संशोधन (1992) के लागू होने के बाद, जब पंचायतों को संवैधानिक दर्जा मिला और महिलाओं के लिए कम से कम एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित किया गया, तब शायद ही किसी ने यह कल्पना की होगी कि यह प्रावधान एक गहरी सामाजिक क्रांति का आधार बनेगा। आज यह क्रांति किसी शोर-शराबे या आंदोलन के रूप में नहीं, बल्कि 'मौन क्रांति' के रूप में सामने आई है, जिसमें महिलाएं न केवल संख्या में बढ़ी हैं, बल्कि नेतृत्व के केंद्र में आकर ग्रामीण भारत के विकास की दिशा तय कर रही हैं। 73वां संविधान संशोधन भारतीय लोकतंत्र में विकेंद्रीकरण की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हुआ, जिसने पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक आधार प्रदान करते हुए महिलाओं के लिए न्यूनतम एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित किया। समय के साथ 20 से अधिक राज्यों द्वारा इसे 50 प्रतिशत तक बढ़ा देने से ग्रामीण शासन में महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच गई है।

आज देश की लगभग 2.6 लाख पंचायतों में 31.5 लाख से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों में करीब 14.5 लाख महिलाएं हैं, जो कुल का लगभग 46 प्रतिशत हैं, और कई राज्यों में यह आंकड़ा 50 से 53 प्रतिशत से भी अधिक हो चुका है। यह न केवल विश्व में स्थानीय स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी राजनीतिक भागीदारी का उदाहरण है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि ग्रामीण लोकतंत्र अब पारंपरिक पुरुष-प्रधान ढांचे से आगे बढ़ चुका है। यह परिवर्तन केवल संख्यात्मक नहीं, बल्कि संरचनात्मक और सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। इस प्रकार पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से उभरता महिला नेतृत्व ग्रामीण भारत में एक 'मौन क्रांति' का रूप ले चुका है, जो बिना शोर-शराबे के सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और सशक्त लोकतंत्र की नई दिशा तय कर रहा है। महिला नेतृत्व के विस्तार ने ग्रामीण विकास की प्राथमिकताओं को बुनियादी ढांचे से आगे बढ़ाकर मानवीय विकास के केंद्र में स्थापित कर दिया है। जहां पहले पंचायतों का ध्यान मुख्यतः सड़कों, भवनों और भौतिक संरचनाओं तक सीमित रहता था, वहीं महिला प्रतिनिधियों ने पानी, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा

और पोषण जैसे जीवन-गुणवत्ता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी है। विभिन्न अध्ययनों और आर्थिक सर्वेक्षणों से यह स्पष्ट होता है कि महिला-नेतृत्व वाली पंचायतों में आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, स्कूल नामांकन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही सामाजिक कल्याण योजनाओं के फंड का उपयोग लगभग 30 प्रतिशत अधिक प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। पारदर्शिता और जवाबदेही के स्तर में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आई है। इस प्रकार, पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत कर रही है, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जन-केंद्रित दिशा भी प्रदान कर रही है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में महिलाओं का उभरता नेतृत्व आज ग्रामीण भारत में परिवर्तन की सशक्त मिसाल बन चुका है। पीआईबी 2024 के अनुसार, सम्मानित पंचायतों में से लगभग 42% का नेतृत्व महिलाओं के हाथों में रहा है, जो यह दर्शाता है कि महिला प्रतिनिधि केवल सहभागिता तक सीमित नहीं, बल्कि उत्कृष्टता की नई मानक स्थापित कर रही हैं। नारी शक्ति, "स्वस्थ पंचायत और बाल हितैषी पंचायत" जैसी श्रेणियों के साथ-साथ कार्बन न्यूट्रल जैसे आधुनिक विषयों में भी उनका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। महाराष्ट्र की पाटोदा ग्राम पंचायत द्वारा 26 पुरस्कार जीतना इस नेतृत्व क्षमता का सशक्त उदाहरण है।

सरकार द्वारा पुरस्कारों का नाम देवी अहिल्या बाई होल्कर और रानी लक्ष्मीबाई जैसी ऐतिहासिक नायिकाओं के नाम पर रखना भी इस परिवर्तन को सांस्कृतिक और प्रतीकात्मक मजबूती प्रदान करता है। फिर भी यह 'मौन क्रांति' चुनौतियों से अछूती नहीं है। कई क्षेत्रों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां महिलाओं की वास्तविक स्वायत्तता को सीमित करती हैं, जबकि पहली बार सार्वजनिक जीवन में आने वाली अधिकांश महिला प्रतिनिधियों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं, वित्तीय प्रबंधन और संवैधानिक प्रावधानों की सीमित जानकारी होती है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार लगभग 70–80 प्रतिशत महिला प्रतिनिधियों को प्रारंभिक स्तर पर पंचायत की कार्यप्रणाली की पूरी समझ नहीं होती, जिससे उनके निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। इसके बावजूद, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान और "सशक्त पंचायत-नेत्री अभियान" जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने इस अंतर को तेजी से कम किया है। वर्ष 2025-26 में 7 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया जाना इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है, जिससे उनकी प्रशासनिक समझ, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डिजिटल गवर्नेंस और वित्तीय सशक्तिकरण ने भी इस परिवर्तन को नई गति दी है।

यदि इसे सतत प्रशिक्षण, डिजिटल सशक्तिकरण और सामाजिक समर्थन से और मजबूत किया जाए, तो यह मौन क्रांति न केवल ग्रामीण भारत का स्वरूप बदल सकती है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को भी अधिक समावेशी और सशक्त दिशा प्रदान कर सकती है। स्पष्ट है कि पंचायतों में महिलाओं का नेतृत्व ग्रामीण भारत एक 'मौन क्रांति' के रूप में उभर रहा है। बिना शोर के लोकतांत्रिक भागीदारी, विकास की प्राथमिकताओं और सामाजिक संरचना को बदल रहा है। हालांकि, इस परिवर्तन को स्थायी रूप देने के लिए निरंतर प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, वित्तीय स्वायत्तता और सामाजिक सोच में बदलाव आवश्यक है। जब महिलाएं वास्तविक निर्णयकर्ता के रूप में पूरी तरह सशक्त होंगी, तब यह मौन क्रांति समावेशी और सशक्त ग्रामीण भारत की ठोस आधारशिला बन जाएगी।

(लेखक इग्नू में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस

-डॉ. अशोक कुमार जायसवाल

पंचायतीराज संस्थाएं- विकसित भारत का आधार स्तंभ

महात्मा गांधी के ग्राम- स्वराज की अवधारणा को साकार करने हेतु संविधान में 73वां संशोधन किया गया। 73वां संविधान संशोधन आधुनिक भारत के इतिहास में मिल का पत्थर है, इसका सीधा प्रभाव स्थानीय स्व-शासन द्वारा लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास पर पड़ा एवं समाज के अंतिम पंक्ति पर बैठा हुआ व्यक्ति विकास की मुख्य धारा से जुड़ा। भारत गांवों का देश है, देश की 70 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। आज आवश्यकता है, कि विकास की दिशा को पुनः परिभाषित किया जाए और ग्राम पंचायतें केवल लाभार्थी चयन तक सीमित ना रहे, बल्कि विकास का केन्द्र बिन्दु बने। पंचायती राज संस्थायें डिजिटल माध्यमों का उपयोग करके कामकाज में पारदर्शिता, कार्यदक्षता और जवाबदेही को मजबूत बनाएं। पंचायती राज मंत्रालय ने इस दिशा में अभिनव प्रयास किए है, जो विकसित भारत का आधार स्तंभ है। माननीय प्रधानमंत्री 24 अप्रैल 2020 को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल का शुभारंभ कर ई-पंचायत का सूत्रपात किया, जिसमें पंचायत स्तर पर डिजिटल आयोजन, लेखांकन, निगरानी और ऑन-लाईन भुगतान की प्रक्रिया को सरल बनाया। ई-ग्रामस्वराज का सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के साथ एकीकरण होने से विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को वास्तविक समय में भुगतान करना संभव हो सका। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 2,58,730 ग्राम पंचायतों में से 2,44,175 ग्राम पंचायतों और उनके समकक्ष निकायों (94.37 प्रतिशत) ने ई-ग्राम स्वराज पीएफएमएस इंटरफेस के माध्यम से राशि रु. 39,440.70 /– करोड़ का भुगतान किया है, इसमें महाराष्ट्र राज्य ने सबसे अधिक राशि रु. 3512.37 करोड़, बिहार रु. 2695.35, मध्यप्रदेश 2129.33, पश्चिम बंगाल 2114.49, कर्नाटक 1870.97, ओडिसा 1813.69 तथा छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा राशि रु. 761.35 करोड़ का भुगतान का किया है (18.03.2026 की स्थिति में)।

पंचायतों के कार्यवाहियों का सही/प्रमाणित दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा और पंचायतों की बैठक के वाईस-टू-टेक्स्ट और सारांश के लिए एआई-सक्षम प्लेटफार्म "सभासार" प्रारंभ किया गया है। फरवरी 2026 तक 2,58,730 ग्राम पंचायतों में से 1,15,115 ग्राम पंचायतों ने बैठकों के कार्यवृत तैयार करने के लिए सभासार पोर्टल का उपयोग किया और पोर्टल पर 3.39 लाख से अधिक कार्यवृत अपलोड किए है जो राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 43 प्रतिशत है। सभासार प्लेटफार्म को अपनाने वाले राज्यों में भी काफी भिन्नता है, तामिलनाडु (99.75 प्रतिशत), ओड़िसा (99.37 प्रतिशत), त्रिपुरा (90.75 प्रतिशत), झारखंड (79.82 प्रतिशत) और बिहार (79.01 प्रतिशत) ग्राम पंचायतों ने सभासार को अपनाया है, जो विकसित भारत के निर्माण में डिजिटल उपकरण के मजबूत एकीकरण को दर्शाता है। "मेरी पंचायत ऐप" ग्राम सभा सदस्यों को पंचायत विकास योजना, गतिविधियों और कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी तक पहुंच प्रदान करता है। पंचायत निर्णय, ग्राम सभा की बैठकों के पारदर्शी संचालन और प्रबंधन को सुगम बनाता है।

ग्रामीण स्थानीय निकायों ने स्वयं के राजस्व स्रोत (ओएसआर) से वर्ष 2017-2018 से वर्ष 2021-22 के दौरान राशि रु. 25,595 करोड़ एकत्र किया गया, और इस अवधि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पर प्रति व्यक्ति ओएसआर रु. 59/- प्रति वर्ष था। राज्यों में प्रति व्यक्ति ओएसआर में काफी भिन्नता हैं, जो गोवा में सबसे अधिक रु. 1635/- पुदुच्चेरी में रु.757/-, केरला में रु. 286/- आन्ध्रप्रदेश में रु. 209/-, गुजरात में रु.199/- एवं छत्तीसगढ़ में रु. 70/- प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष रहा है। ओएसआर संग्रह को डिजिटाइज करने के लिए "समर्थ पंचायत पोर्टल" विकसित किया गया। ग्राम पंचायत द्वारा स्वयं के राजस्व स्रोत में वृद्धि के माध्यम से आत्मनिर्भरता (स्वयं-निर्भरता) के अनुकरणीय प्रयासों को प्रोत्साहित करने हेतु पंचायती राज मंत्रलय द्वारा विशेष पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। 16वें वित्त आयोग ने ग्रामीण स्थानीय निकाय निष्पादन अनुदान के रुप में राशि रु. 43,524/- करोड रुपए के आबंटन का सिफारिश की है, जिसे ओएसआर के सृजन और वृद्धि से जोड़ा गया है। डिजिटल सशक्तिकरण का उद्देश्य पंचायतों के वित्तीय प्रशासन में पारदर्शिता, कार्यदक्षता और विस्तारशीतला लाना है। पंचायतें 11वीं अनुसूची के 29 विषयों से संबंधित गतिविधियों पर कार्य योजना का निर्माण कर सतत विकास के 17 वैश्विक लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर 09 थीम में विभाजित कर कार्य योजना का निर्माण कर रही है, वर्ष 2025-26 में 2,52,727 जी.पी.(93.91 प्रतिशत जी.पी) ग्राम पंचायत विकास योजना का निर्माण की है। पंचायत एडवांसमेंट इनडेक्स (उन्नति सूचकांक) से पंचायतों की सही स्थिति सामने आई है, पंचायते स्थानीय स्तर पर 09 थीम के माध्यम से सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु आगे बढ़ रही है, जो विकसित भारत के निर्माण में आधार स्तंभ है। डिजीटल कनेक्टिविटी के विस्तार ने ग्राम पंचायतों को नई दिशा दी है। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं को ग्रामीणजनों तक सरलता एवं सुगमता से पहुंचाया है। विकसित भारत के निर्माण में पंचायतीराज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी, ग्रामसभा का सदस्य केवल उपभोग नही बल्कि उत्पादन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार होता है। पंचायतों में स्वसहायता समूहों और स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना होगा। ग्रामीण महिलाओं की भूमिका विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण होगी, ग्रामीण महिलायें प्रबंधन की धुरी है, इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा एवं मजबूती मिलेगी। पंचायतों में महिला स्व-सहायता समूहों ने आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की नई कहानी गढ़ी है, जिससे महिलाओं का सामाजिक सम्मान और आत्म विश्वास बढ़ा है, वे समाज के विकास के साथ-साथ देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

-संकाय सदस्य (पंचायती राज), ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा, रायपुर (छ.ग.)

आत्मसंयम योग में स्थित रहें

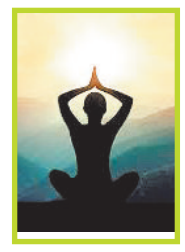

संकलित

दर्शन

विपरीत परिस्थिति में ही योग की प्रामाणिकता सिद्ध होती है। संयम की प्रामाणिकता भी योग से ही सिद्ध होती है। हमारी ज्ञानेंद्रियां तथा कर्मेंद्रियां अपनी अर्जित शक्ति को बाहर की ओर खर्च कर रही हैं। योग द्वारा उसका एकत्रीकरण किया जाता है। योग चाहे ध्यान के रूप में हो या व्यायाम-प्राणायाम के रूप में, उसकी शक्ति को एकत्र करके हम शक्ति का उपयोग कहां करते हैं, वास्तविक योग वह है। रावण भी बहुत बड़ा योगी था, पर उसने अपने योग से प्राप्त शक्ति से भगवान की योगमाया सीता जी का हरण करके योग का दुरुपयोग किया। जब तक आत्मसंयम योग जीवन में न आ जाए, तब तक क्रियात्मक योग केवल शरीर संवर्धन के ही कार्य आएगा। हम जीवन के किसी भी क्षेत्र में अतिरेकवादी दृष्टिकोण के दुराग्रही न होकर संतुलित होकर मध्य स्थिति में रहकर आत्मसंयम योग में स्थित रहें। मध्य में ही भगवान का वास होता है। हमारे शरीर में जो मध्य प्रदेश है, वही हृदय प्रदेश है। हाथ-पांव के रूप में नीचे कर्म प्रदेश है तथा विचार के रूप में सिर में विवेक प्रदेश है। जिसे विवेक स्वीकार कर ले और कर्मयोग से जिस शक्ति को अर्जित किया हो, उसे हृदय प्रदेश के मध्य सिंहासन पर बैठाया जाता है। सब कुछ ईश्वर को समर्पित कर देना ही महायोग है। शरीर का योग यदि भगवान से जुड़कर ध्यान योग बन जाए और योग से प्राप्त शक्तियों का उपयोग हम हनुमान जी, श्रीभरत जी और श्री लक्ष्मण जी की तरह सेवा के लिए करें तो योग प्राणीमात्र की सेवा का उपादान बनकर सहजयोग बन जाएगा।

प्रत्येक वस्तु पर हमारा ही अधिकार हो?

संकलित

प्रेरणा

एक राजा ने यह घोषणा करवा दिया कि कल सुबह जब मेरे महल का मुख्य दरवाज़ा खोला जाएगा तब जिस व्यक्ति ने भी महल में जिस वस्तु या जीव को हाथ लगा दिया वह वस्तु या जीव उसकी हो जाएगी। कुछ लोग कहने लगे मैं तो सोने को हाथ लगाऊंगा, कुछ लोग चांदी को तो कुछ लोग कीमती जेवरात को, कुछ लोग घोड़ों को तो कुछ लोग हाथी को, कुछ लोग दुधारू गाय को हाथ लगाने की बात कर रहे थे। जब सुबह महल का मुख्य दरवाजा खुला और सब लोग अपनी अपनी मनपसंद वस्तु या जीवों के लिये दौड़ने लगे। सबको इस बात की जल्दी थी कि पहले मैं अपनी मनपसंद वस्तु या जीव को हाथ लगा दूं, ताकि वह वस्तु या जीव हमेशा के लिए मेरी हो जाए। राजा अपनी जगह पर बैठा सबको देख रहा था और अपने आस-पास हो रही भाग दौड़ को देखकर मुस्कुरा रहा था। उसी समय उस भीड़ में से एक व्यक्ति राजा की तरफ बढ़ने लगा और धीरे-धीरे चलता हुआ राजा के पास पहुंच कर उसने राजा को छू लिया। राजा को हाथ लगाते ही राजा उसका हो गया और राजा की हर वस्तु भी उसकी हो गयी। जिस तरह राजा ने उन लोगों को मौका दिया और उन लोगों ने गलतियां की। ठीक इसी प्रकार सारी दुनिया के कर्ता प्रभु भी हम सबको प्रत्येक दिन अवसर देते हैं, लेकिन हम लोग भी प्रत्येक दिन वही गलतियां करते रहते हैं। हम प्रभु को पाने की बजाए उस परमपिता की बनाई हुई दुनिया की चीजों की कामना करते हैं। लेकिन कभी भी हम लोग इस बात पर गौर नहीं करते कि क्यों न दुनियां के बनाने वाले प्रभु को पा लिया जाए।

अंतर्मन

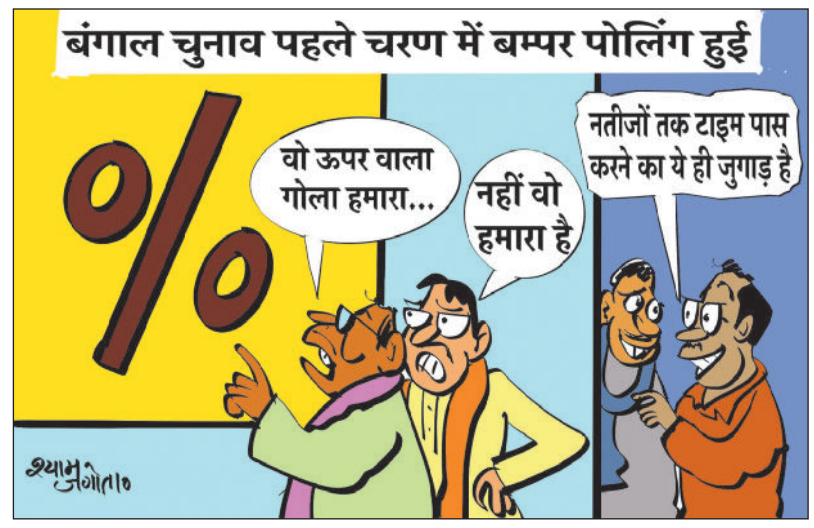

आज की पाती

ज्ञान की विरासत व रचनात्मक अधिकारों का उत्सव

प्रतिवर्ष विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस 23 अप्रैल को मनाया जाता है। यह यूनेस्को द्वारा मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आम लोगों में पढ़ने की आदत, पुस्तकों और लेखकों को सम्मान देना है। सच तो यह है कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों में पढ़ने की रुचियों को बढ़ावा देना, पुस्तकों के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना, दुनिया भर के लेखकों, साहित्यकारों और रचनाकारों का सम्मान करना, विशेष रूप से एआई के इस युग में कॉपीराइट कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नई पीढ़ी को ज्ञान और साहित्य से जोड़ना है। सरल शब्दों में कहें तो यह दिवस दुनिया भर में पुस्तकों, लेखकों, प्रकाशकों, पाठकों और बौद्धिक संपदा के उनके अधिकारों के महत्व को रेखांकित करता है। *– सुनील मेहता, राजनांदगांव*

ट्रेंड

गहरी संवेदनाएं

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुए सड़क हादसे में कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। इस हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री,

विचारधाराओं की लड़ाई

विचारधाराओं की इस लड़ाई में केवल कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है। वे अधिकार छीनते हैं, हम उन्हें दिलाते हैं। वे संविधान मिटाना चाहते हैं, हम उसकी रक्षा करते हैं। वे भारत की विविधता को नष्ट करना चाहते हैं, जबकि हम हर संस्कृति और हर भाषा का सम्मान करते हैं।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

महिला आरक्षण

भारत की महिलाओं ने इस उम्मीद से संसद की ओर देखा कि 33% आरक्षण जल्द लागू किया जाएगा और नारी शक्ति को निर्णय लेने की प्रक्रिया में आवाज उठाने का मौका मिलेगा, लेकिन कांग्रेस व उनके सहयोगियों ने इस कदम को रोक दिया।

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

उपद्रवी तत्व

भाजपा के उपद्रवी तत्व अब सीधे पुलिस पर भी हमला कर रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि अहंकारी भाजपा सरकार ही उनकी रक्षक है। क्या अब पुलिस को भी पीड़ित कहा जाएगा?

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

श्रीलंका में हैकरों ने मंत्रालय के कंप्यूटर सिस्टम किए हैक

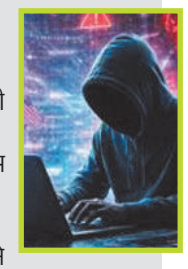

श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने कहा है कि साइबर हैकरों ने मंत्रालय के बाह्य संसाधन विभाग के कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर उसमें सेंध लगा ली और विदेशी मुद्रा भुगतान से संबंधित चोरी को अंजाम दिया। वित्त, योजना और आर्थिक विकास मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने चोरी के संबंध में कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य संबंधित संस्थानों के पास शिकायत दर्ज करा दी है। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, 'साइबर हैकरों ने संस्थान के अंदर बाह्य संसाधन विभाग के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगा ली है।' यह बयान विपक्ष के उस दावे के बाद जारी किया गया जिसमें कहा गया था कि 25 लाख अमेरिकी डॉलर के राजकोषीय धन को विदेशी ऋण चुकाने से संबंधित ऑस्ट्रेलियाई खाते के बजाय किसी अन्य खाते में भेज दिया गया है। विपक्ष के वकीलों के एक समूह ने संसद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर कहा कि सितंबर 2025 में श्रीलंका को एक ऋणदाता को 2.29 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करना था। वकीलों के समूह ने बताया कि 25 लाख अमेरिकी डॉलर की आंशिक राशि का भुगतान दिसंबर 2025 और 31 जनवरी 2026 के बीच किया गया था। अब यह खुलासा हुआ है कि आंशिक भुगतान सही ऋणदाता के खाते में नहीं बल्कि एक हैकर के खाते में पहुंचा था।

ऑफ बीट

घर अक्सर थर्मोस्टेट से अधिक गर्म लगते हैं

एक ही सड़क पर बने दो घर : एक 1950 के दशक में और दूसरा 1990 के दशक में बनाया गया था। वहां कोई पेड़ या अन्य छाया नहीं है। एयर कंडीशनिंग इकाइयाँ समान हैं, हाल ही में बदली गई हैं, और पूरी तरह से काम कर रही हैं। समान थर्मोस्टेट 82 डिग्री फ़ारेनहाइट (27.8 सेल्सियस) पर सेट होते हैं। जब बाहर का तापमान 110 एफ (43.3 सी) होता है, तो 1950 के दशक का घर हवा के समान तापमान के साथ भी अंदर संभवतः कम से कम 10 एफ (5.6 सी) गर्म महसूस होता है। क्यों? इसका उत्तर तेज गर्मी से संबंधित है। तेज़ गर्मी ही वह चीज़ है जो आपको ठंडी सर्दियों की रात में कैम्प फायर में गर्म रखती है। आग हवा को अधिक गरम नहीं करती; बल्कि, सूर्य की तरह, आग की अधिकांश गर्मी अदृश्य तरंगों के माध्यम से सीधे कैम्प फायर से आपके शरीर तक पहुंचती है। गर्म, धूप वाले दिन में, अच्छा इन्सुलेशन और डबल-फलक वाली खिड़कियां एयर कंडीशनिंग के लिए कम गर्मी का हस्तांतरण करती हैं, जिससे इमारत के अंदर का औसत तापमान हवा के तापमान के कुछ डिग्री के भीतर रहता है। गर्म सतहों के कारण छोटी इमारतें, जैसे कि मोबाइल घर, छोटे घर, शिपिंग कंटेनर और अपार्टमेंट में बदल गए गैरेज, अक्सर थर्मोस्टेट सेटिंग की परवाह किए बिना असहज महसूस करते हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

लोकतंत्र का महापर्व
छलका उत्साह

बंगाल, तमिलनाडु में जमकर हुआ मतदान
विधानसभा चुनाव में गरमाया सियासी तापमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विधानसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में पहले चरण का व तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए गुरुवार को मतदान हुआ। इस अप्रैल के गर्म मौसम में सियासी तापमान भी चरम पर रहा और जमकर वोटिंग हुई। लोकतंत्र के इस महापर्व में शिरकत करने आम लोगों के साथ बड़ी संख्या में सेलिब्रिटी भी उमड़े। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी, भाजपा के दिलीप घोष, कांग्रेस की मौसम बेनजीर नूर और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के उदयन गुहा ने मताधिकार का उपयोग किया। पूर्व मेदिनीपुर जिले में शुभेंदु अधिकारी ने सुबह आठ बजे से पहले कांथी स्थित अपने शांति कुंज आवास के पास नंदनायकबार प्राथमिक विद्यालय में मतदान किया। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर सदर में भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष ने सेरोसा स्टेडियम स्थित बूथ संख्या 263 पर वोट डाला।

चेन्नई

तमिनाडु में बूथ पर दिखे रजनीकांत, कमल हासन जैसे बड़े स्टार

तमिलनाडु के शीर्ष नेताओं और फिल्म एवं संगीत जगत की हस्तियों ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, टीवीके. प्रमुख विजय, एएमएमके प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने चेन्नई में मतदान किया। वहीं, अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने सेलम में मतदान किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी.चिदंबरम ने शिवगंगा जिले में मतदान किया। संगीतकार इलैयाराजा, अभिनेता रजनीकांत, कमल हासन, अजित कुमार, आर. सरथकुमार, राधिका सरथकुमार, त्रिशा कृष्णन, धनुष, विक्रम और शिवकार्तिकेयन ने भी अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

एक परिवार की तीन पीढ़ी

लोकतांत्रिक भागीदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण पेश करते हुए, एक परिवार की तीन पीढ़ियों के 14 सदस्य बृहस्पतिवार को चेन्नई-तमिलनाडु के स्टेला मैरिस कॉलेज स्थित मतदान केंद्र में वोट डालने एक साथ पहुंचे।

पनीरसेल्वम

शुभेन्दु अधिकारी

पी चिदम्बरम

मुर्शिदाबाद

मेदिनीपुर

बीरभूम

एमके स्टालिन

टीवीके चीफ विजय

तृषा कृष्णन

पीएम मोदी ने कृष्णानगर की चुनावी सभा में किया तंज
'झालमुड़ी मैंने खाई लेकिन झाल टीएमसी को लगी'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ दिनों पहले, केरलम, असम और पुडुचेरी में भी मतदान संपन्न हुआ है। वहां पर भी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। पहले भी हमने देखा है देश में जहां-जहां भी रिकॉर्ड मतदान हुआ है, वहां पर बीजेपी को प्रचंड विजय मिली है। चार मई को बंगाल में भी बीजेपी की विजय का जश्न होगा। मिठाई भी बंटेगी और झालमुड़ी भी बांटी जाएगी। वैसे मैंने सुना है कि झालमुड़ी ने भी कुछ लोगों ने झन्नाटेदार झटका दिया है। झालमुंड़ी मैंने खाई, लेकिन झाल टीएमसी को लगी है।'पीएम नरेंद्र मोदी ने टीएमसी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा,

'टीएमसी और इन सारे दलों का महिला विरोधी चेहरा एक बार फिर खुलकर सामने आ गया। अभी कुछ दिन पहले संसद में जो कुछ हुआ, वो आप सबने देखा है। भाजपा सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रस्ताव लेकर संसद में आई थी, लेकिन टीएमसी ने इसके खिलाफ वोटिंग की, टीएमसी ने बंगाल की महिलाओं का हक छीन लिया।'

शाह बोले - घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हुगली के बालागढ़ में कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठ पूरी तरह बंद कर दी जाएगी और जो घुसपैठिए यहां रह रहे हैं, उन्हें चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा हैं और बंगाल के युवाओं के हक की नौकरियां व गरीबों का राशन छीन रहे हैं।

हुगली में मिथुन चक्रवर्ती का रोड शो

हुगली के तारकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में दूसरे चरण के चुनाव से पहले अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती ने यहां पार्टी उम्मीदवार संतु पान के समर्थन में एक विशाल रोड शो किया। 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इस रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी, जहां मिथुन ने लोगों से बंगाल में सत्ता परिवर्तन के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की।

'ये बंगाल है, नितिन नबीन भी आपको नहीं बचा पाएंगे'

महुआ ने लगाया भाजपा नेताओं पर पैसे बांटने का आरोप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी') सांसद महुआ मोइत्रा ने गुरुवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तीखा पोस्ट शेयर किया है। इसमें बीजेपी नेताओं सौरभ सिंह और प्रोफेसर स्वदेश सिंह के साथ-साथ हाल ही में भाजपा में शामिल हुए टेनिस खिलाड़ी लियेंडर पेस भी नजर आए। तस्वीर में दोनों नेताओं को लाल रंगे के घेरे में दिखाया गया था और उसके ऊपर 'S+S' लिखा हुआ था, जो संभवतः उनके नामों के इनिशियल्स को दर्शाता है। मोइत्रा ने आरोप लगाया कि सौरभ सिंह बंगाल में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए डिस्ट्रिब्यूशन एक्टिविटीज में शामिल थे। मोइत्रा ने अपने पोस्ट में उनकी वर्तमान

लोकेशन और अगली जगह की जानकारी भी साझा की। उन्होंने लिखा, 'सावधान सौरभ सिंह, मेरे ट्वीट के बाद आप एल्गिन होटल से चेक-आउट कर नोवोटेल जा रहे हैं, जहां आप अपनी टीम के साथ डिस्ट्रिब्यूशन को जारी रखेंगे। ये बंगाल है, नितिन नबीन भी आपको यहां बचा नहीं पाएंगे।' इसके बाद उन्हें सख्त चेतावनी देते हुए कहा, 'हम नजर रख रहे हैं, आप बच नहीं पाएंगे।'

भाजपा ने नहीं दी है प्रतिक्रिया

हालांकि भाजपा ने अभी तक मोइत्रा के इन आरोपों और बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। महुआ मोइत्रा की ओर से दी गई यह दूसरी ऐसी चेतावनी थी। इससे पहले उन्होंने आरोप लगाया था कि इन नेताओं को भाजपा नेतृत्व ने नकदी बांटने और वसूली करने के लिए भेजा है। उन्होंने कहा, 'सत्यवती कॉलेज के प्रोफेसर स्वदेश सिंह और सौरभ सिंह बंगाल में क्या कर रहे हैं? लोगों को फोन कर वसूली करने और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन के नाम पर नकद रुपये बांटने के लिए।'

होर्मुज में नाकेबंदी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़ा एक्शन
ट्रंप ने आर्मी चीफ के बाद अब नेवी चीफ को किया बर्खास्त

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका अपने दोस्त इजरायल के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से जंग लड़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के साथ डील फाइनल करने के लिए एकतरफा सीजफायर को अगले आदेश तक बढ़ा दिया है। लेकिन, ऐसा लगता है कि ईरान के साथ जंग के साथ-साथ ट्रंप अपने घर (अमेरिका) में भी एक अलग लड़ाई लड़ रहे हैं। अमेरिका में रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के भीतर लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। ट्रंप ने 2 अप्रैल को आर्मी चीफ रैंडी जॉर्ज को पद से हटाया था। अब गुरुवार को नेवी चीफ जॉन फेलन को भी बर्खास्त कर दिया है। इससे पहले न्यूक्लियर डिपार्टमेंट से जुड़े एक सीनियर अधिकारी एंड्रयू हग को सस्पेंड किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका जंग में उलझा हुआ है। आइए समझते हैं कि आखिर ट्रंप को अपने अधिकारियों से क्या दिक्कत होने लगी, जो ऐसे फैसले ले रहे हैं।

ईरान जंग के बीच अपने 'घर' में भी एक अलग लड़ाई लड़ रहे डोनाल्ड

अधिकारियों को हटाने की वजह

अमेरिका अपनी नेवी को ताकतवर बनाने के लिए नए वॉरशिप, सबमरीन और सपोर्ट जहाज तेजी से बनाना चाहता है। इसके लिए शिपबिल्डिंग में बदलाव किए गए हैं। लेकिन, जहाजों के बनने में देरी हो रही थी। कई प्रोजेक्ट अटके पड़े थे। इनकी कॉस्टिंग भी बढ़ती जा रही थी। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने इसकी शिकायत राष्ट्रपति ट्रंप से की थी। चूंकि फेलन का सीधे ट्रंप के साथ कॉन्टैक्ट है, इसलिए उन्होंने हेगसेथ को सरपास करके सीधे राष्ट्रपति से बात कर ली। आम तौर पर ऐसा नहीं किया जाता।

ऐसे बढ़े मतभेद

बात यहां से बिगड़नी शुरू हुई। फेलन और पेंटागन के टॉप लीडर यानी हेगसेथ के बीच लगातार मतभेद चल रहे थे। नेवी के जहाज निर्माण कार्यक्रम, काम करने के तरीके और नेतृत्व को लेकर उनके और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बीच टकराव बढ़ता जा रहा था। इसका नतीजा हुआ बर्खास्तगी। पेंटागन की तरफ से छोटा सा बयान जारी कर फेलन को नेवी चीफ पद से बर्खास्त करने की जानकारी दी गई। उन्हें क्यों हटाया गया, साफ तौर पर इसकी कोई वजह नहीं बताई गई है।

2 अप्रैल को हटाया था आर्मी चीफ को

अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को 2 अप्रैल को हटा दिया गया। रैंडी का पद साल 2027 में समाप्त होने वाला था। उनके जाने के बाद वाइस चीफ ऑफ स्टाफ जनरल क्रिस्टोफर ला नेव कार्यवाहक आर्मी चीफ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ला नेव पहले हेगसेथ के सहायक रह चुके हैं। पेंटागन ने आधिकारिक बयान न देकर बस इतना कहा कि रैंडी रिटायर हो रहे हैं। पेंटागन ने उन्हें धन्यवाद दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अपने पद संभालने के बाद कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को हटा या बदल चुके हैं।

मणिपुर में अब तक 58 हजार विस्थापित, 217 की हुई मौत

विधायक की मौत पर चुराचांदपुर में बंद

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मणिपुर में मई 2023 से भड़की जातीय हिंसा के चलते अब तक 58,821 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राज्य सरकार के गृह विभाग ने आरटीआई के जवाब में यह जानकारी दी है। यह आंकड़े 3 मई 2023 से 30 मार्च 2026 तक की अवधि के हैं। विभाग के अनुसार, हिंसा से जुड़ी घटनाओं में अब तक 217 लोगों की मौत हुई है, जिनके परिजनों को अनुग्रह राशि दी गई है। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग घायल भी हुए हैं। राज्य में राहत के लिए 10 मार्च 2026 तक कुल 174 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं। विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए मणिपुर पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से 3,000 प्री-फैब्रिकेटेड घर बनाए गए हैं। बता दें कि हिंसा के कारण भारी संपत्ति नुकसान

फाइल फोटो

भी हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक 7,894 स्थायी घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि 2,646 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। कांग्रेस नेता हरेश्वर गोस्वामी ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि यह जानकारी प्राप्त करने में उन्हें सात महीने का समय लगा।

13 घंटे का बंद

चुराचांदपुर जिले में भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे की मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर बुधवार को 13 घंटे का पूर्ण बंद रहा। जोमी समूहों द्वारा बुलाए गए इस बंद को कुकी और हमार संगठनों का भी समर्थन मिला। सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक चले इस बंद के दौरान बाजार, स्कूल, दफ्तर और सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप रहे। तिपाईमुख और गुइते रोड पर भी सन्नाटा पसरा रहा। जोमी समन्वय समिति के अनुसार, वाल्टे के निधन को 60 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। मई 2023 में भीड़ के हमले में घायल हुए वाल्टे की 20 फरवरी, 2026 को गुरुग्राम के एक अस्पताल में मौत हो गई थी।

बार्डर पर 85 लाख की भारतीय नेपाली मुद्रा जब्त

बहराईच (उप्र)। बहराइच जिले में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने 85 लाख रुपये से अधिक मूल्य की भारतीय और नेपाली मुद्रा जब्त की और छह लोगों को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्रवाई करते हुए रुपईडीहा थाने की पुलिस और एसएसबी ने सीमा क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। जिसके दौरान मंगलवार को नकदी बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक, छह लोगों के कब्जे से 16.5 लाख रुपये मूल्य की भारतीय मुद्रा और 69 लाख रुपये मूल्य की नेपाली मुद्रा बरामद की गई। पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में दो नेपाली नागरिक - राजेश प्रसाद सोनार और प्रताप सिंह जयसवाल - और बहराइच के रुपईडीहा क्षेत्र के चार निवासी शामिल हैं, जिनकी पहचान विजय कुमार अग्रवाल, रामगोपाल शुक्ला, मोतीलाल और दीपक कुमार निषाद के रूप में की गई है। पुलिस, एसएसबी और आयकर विभाग के अधिकारियों ने कहा कि दोनों नेपाली नागरिक 'जय गुरुदेव' (एक आध्यात्मिक संगठन) के अनुयायियों से जुड़ी पोशाक पहने हुए थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्रं. 11/न.पा.नि./जोन क्रं.05/2026-27 दिनांक 22/04/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दिनांक 19.05.2026 को सायं काल 5:30 बजे तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :–

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.लाख में)	निविदा डाउनलोड /सबमिट करने की अंतिम तिथि
189147	विधायक निधि अन्तर्गत वार्ड क्रं 37 डी.पी. विप्र कॉलेज बिलासपुर में अध्ययन कक्ष निर्माण कार्य।	25.00	15/05/2026

उपरोक्त प्रदाय कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता (05)
न.पा.नि बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

BEFORE THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, RANCHI
5th Floor, Pragati Sadan (RRDA Building), Kutchery Chowk, Ranchi-834001
O.A. NO. 449 of 2024

HDFC Bank Ltd., Bokaro Br., Bokaro ..... Applicant Bank
-VS-
M/s Shiv Shakti Enterprises and Ors. .....Defendants

SUMMONS ISSUED UNDER RULE 23 (VIII) OF THE DEBTS RECOVERY TRIBUNAL (PROCEDURE) RULES, 1993

Sr. No.	Defendants	Address
1.	M/s Shiv Shakti Enterprises, Prop.: Chandrasekhar Prasad Singh	Unit At-Flat No. AG 206, Surya Residency, Junwani, Kohka Road, Bhilai, Durg, Chhatisgarh-490023.
2.	Chandrasekhar Prasad Singh, S/o-Late A.P. Singh	R/o- Q. No. 813, Sector 3/D, P.O.: Sector-3, B.S. City, Bokaro-827003.
3..	Ajay Kumar Singh, S/o-Chandrasekhar Prasad Singh	R/o- Q. No. 316, Sector 3/E, P.O.: Sector-3, P.S.-City Thana, B.S. City, Bokaro-827003.

Whereas, the applicant has instituted an Application u/s 19 of the Recovery of Debts due to Banks and Financial Institutions Act 1993 against the Defendants for Recovery of sum of **Rs.5,49,95,971.33/- (Rupees Five Crore Forty Nine Lakhs Ninety Five Thousand Nine Hundred Seventy One and Thirty Three Paisa Only) together with current and future interest, cost for other eliefs.** The above mentioned Defendants is/are therefore directed to appear before **Registrar** in on **06th day of May, 2026 at 10.30 A.M.** as to why the reliefs prayed for should not be granted and to file show - cause in the matter. The notice that in case of default, the application will be heard and determined in your absence.

Given under my hand and seal of this Tribunal on this the **18th day of March, 2026.**

Sd/-
Registrar

केजरीवाल पर भड़का हाईकोर्ट
'इस वीडियो को सबसे पहले अपलोड किसने किया? सारे डिलीट कीजिए'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से रिक्यूजल याचिका खारिज होने के बाद अब वह जिरह करते वीडियो पर घिर गए हैं। आम आदमी पार्टी के मुखिया, इसके कई नेताओं, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और पत्रकार रवीश कुमार के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को सख्ती दिखाई और सभी वीडियो को डिलीट करने को कहा। अदालत ने यह भी पूछा है कि इस वीडियो को सबसे पहले अपलोड किसने किया? जस्टिस वी कामेश्वर राव और जिसटस

मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की बेंच ने कहा कि इस तरह की रिकॉर्डिंग वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों का उल्लंघन करती हैं और सोशल मीडिया पर इनकी अनुमति नहीं दी जा सकती। अधिवक्ता वैभव सिंह की ओर से दायर याचिका पर अदालत ने अरविंद केजरीवाल, आप नेताओं, दिग्विजय सिंह और पत्रकार रवीश कुमार को नोटिस भी जारी किया है।

ईंधन क्राइसेस लुफ्थांसा ने रद्द कीं 20,000 उड़ानें

लास वेगास। लुफ्थांसा एयरलाइंस और अन्य यूरोपीय एयरलाइन का मालिकाना हक रखने वाली जर्मन कंपनी ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि और कुछ देशों में विमान ईंधन की कमी की चिंताएं गहराने के मद्देनजर वह अक्टूबर तक छोटी दूरी की 20,000 उड़ानों में कटौती करेगी। लुफ्थांसा समूह ने कहा कि कम मुनाफे वाले मार्गों में संचालित होने वाली उड़ानों को रद्द करने से लगभग 40,000 मीट्रिक टन विमान ईंधन के बराबर बचत होगी।

कार्यालय नगर पंचायत मल्हार, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

क्रमांक/193/ प्र.मं.आ.यो./न.पं./2026-27 मल्हार, दिनांक 22/04/2026

दावा-आपत्ति आमंत्रण सूचना

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य शहरी विकास अभिकरण छत्तीसगढ़ इन्द्रावती भवन अटल नगर नवा रायपुर के पत्र क्रमांक/09/ सूडा/PMAY-U 2.0/2024-25/8794 दिनांक 13.03.2025 के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 सबके लिए आवास मिशन बी.एल.सी. घटक अंतर्गत स्वयं की भूमि पर काबिज हितग्राहियों को निर्धारित दिशा-निर्देश अनुसार कट-ऑफ तिथि दिनांक 31 अगस्त 2024 के पूर्व काबिज हितग्राहियों के आवेदन पत्रों पर नगर पंचायत मल्हार द्वारा हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर सर्वेक्षणकर्ता द्वारा सत्यापन किया जाकर डी.पी.आर. पट्टाधारी तथा लगानी का कुल 129 हितग्राहियों की सूची तैयार की गई है। (सूची संलग्न है) उक्त हितग्राहियों का काबिज विवाद मुक्त होने पर उक्त हितग्राहियों का आवास स्वीकृत किया जाना है।

अतः जिस किसी व्यक्ति को प्रकाशित सूची में किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो 07 दिवस के भीतर नगर पंचायत मल्हार कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में दस्तावेज आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। उक्त तिथि उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। सूचना जानें।

संलग्नः- उपरोक्तानुसार हितग्राहियों की सूची।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत मल्हार

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड
(सं./सं.) संम्भाग-बलरामपुर

क्रमांक / का0यं0ब0/क्रय / सूचना / 382 / बलरामपुर, दिनांक 23.4.26

-:: विद्युत बंद की सूचना ::-

बलरामपुर जिले के समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओ को सूचित किया जाता है कि दिनांक 25.04.2026 से 30.04. 2026 तक जिला बलरामपुर अन्तर्गत राजपुर उपकेन्द्र से निकलने वाले 33 के0 व्ही0 एवं 11 के0व्ही0 फीडरों का मानसून पूर्व विद्युत लाईनो का आवश्यक सुधार कार्य किया जाना प्रस्तावित है, जिस हेतु निम्नलिखित सूची अनुसार विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

दिनाँक	उपकेन्द्र / फीडर का नाम	समय	प्रभावित क्षेत्र
24.04.2026	33 के0 व्ही0 फीडर पस्ता	सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक	पस्ता 33/11 के0व्ही उपकेन्द्र से निकलने वाली समस्त लाईन एवं 5 नग उच्चदाब कनेक्शन की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी
27.04.2026	11 के0व्ही फीडर झिंगो	सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक	11 के0व्ही झिंगो फीडर, के समस्त ग्रामों की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी
28.04.2026	11 के0व्ही फीडर बरियों	सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक	11 के0व्ही बरियों फीडर, के समस्त ग्रामों की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी
29.04.2026	11 के0 व्ही फीडर बासेन	सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक	11 के0व्ही बासेन फीडर, के समस्त ग्रामों की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी
30.04.2026	11 के0व्ही फीडर सरनापारा	सुबह 9:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक	11 के0व्ही सरनापारा फीडर, के समस्त ग्रामों की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी

टीप: आवश्कतानुसार समय में बदलाव किया जा सकता है।

''**विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें।**''

भवदीय
कार्यपालन अभियंता (सं./ सं.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि., बलरामपुर

S-

बच्चो, तुमने तोते या किसी अन्य जंतु को मनुष्य की आवाज या विभिन्न तरह की ध्वनियों की नकल करते सुना होगा। ये पशु-पक्षी क्यों और कैसे आवाजों की नकल कर लेते हैं, इस बारे में जानो।

आवाजों की नकल करने में माहिर होते हैं कुछ पशु-पक्षी

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चो, कुछ पशु-पक्षियों में इंसान की बोली की नकल करने की क्षमता पाई जाती है। कई जंतु तो ऐसे भी होते हैं, जो मनुष्य की बोली के अलावा अन्य स्रोतों से आ रही आवाजों की भी हू-ब-हू नकल कर लेते हैं। तोता, मैना, लायरबर्ड जैसे पक्षी और डॉल्फिन जैसे जलीय जंतु में ये गुण विशेष रूप से पाए जाते हैं। मनुष्य की बोली या फिर किसी आवाज की नकल करने की क्षमता इन जंतुओं की शारीरिक संरचना, मस्तिष्क की संरचना और बुद्धिमत्ता पर निर्भर करती है। इसे विस्तार से जानो-

विशिष्ट स्वर तंत्र

कुछ पक्षियों में सिरिंक्स नामक एक विशेष अंग स्वरयंत्र होता है, जो उनके श्वास नली में स्थित होता है। यह मनुष्यों के स्वरयंत्र लैरिंक्स से अलग होता है, यह इन पक्षियों में विभिन्न ध्वनियों को उत्पन्न करने में अत्यधिक लचीलापन प्रदान

करता है। तोता, मैना और लायरबर्ड जैसे पक्षियों में सिरिंक्स की मांसपेशियां जटिल ध्वनियों को दोहराने में सक्षम होती हैं। लायरबर्ड का सिरिंक्स तो इतना विकसित होता है कि यह चेनसॉ या कैमरे के शटर जैसी यांत्रिक ध्वनियों की भी नकल कर सकता है। पक्षियों के अलावा डॉल्फिन जैसे कुछ स्तनधारी जंतु नाक के छिद्रों और गले की मांसपेशियों का उपयोग करके ध्वनियां उत्पन्न करते हैं। ये जीव मानव सीटी या क्लिक्स जैसी ध्वनियों की भी नकल कर सकते हैं। उनकी नकल शब्दों तक सीमित होती है। इन प्राणियों में ध्वनि उत्पन्न करने वाली मांसपेशियों पर उच्च स्तर का नियंत्रण होता है, जिससे वे विभिन्न आवृत्तियों और स्वरों को दोहरा सकते हैं।

उत्कृष्ट श्रवण क्षमता

आवाज या ध्वनि की नकल करने वाले प्राणी उत्कृष्ट श्रवण क्षमता रखते हैं, जो उन्हें जटिल ध्वनियों को सुनने, विश्लेषण करने और दोहराने में मदद करती है। जैसे अफ्रीकी ग्रे पैरेट न केवल शब्दों को दोहराता है, बल्कि उनके स्वर और लहजे को भी कॉपी करता है। लायरबर्ड जैसे पक्षी पर्यावरणीय ध्वनियों को सुनकर उन्हें सटीक रूप से दोहराते हैं।

मस्तिष्क की बुद्धिमत्ता और स्मृति

कुछ पक्षियों, जैसे अफ्रीकी ग्रे पैरेट और रेवेन में बड़ा और जटिल मस्तिष्क होता है, विशेष रूप से उनका फोरब्रेन क्षेत्र, जो ध्वनियों को सीखने और

याद रखने में मददगार होता है। न्यूरोलॉजिकल अध्ययनों के अनुसार तोते में एक विशेष मस्तिष्क क्षेत्र होता है, जिसे 'सॉन्ग सिस्टम' कहा जाता है। यह क्षेत्र ध्वनियों को सीखने और उन ध्वनियों को दोहराने में मदद करता है। डॉल्फिन में भी बड़ा मस्तिष्क और जटिल न्यूरल नेटवर्क होता है, जो इसे ध्वनियों को समझने और दोहराने में सक्षम बनाता है।

सामाजिक संपर्क और प्रशिक्षण

कई बार पालतू पक्षी जैसे तोता-मैना आदि मानव संपर्क में रहने के कारण नकल करते हैं। वे बार-बार सुने गए शब्दों या वाक्यांशों को सीख लेते हैं, उन्हें दोहराते हैं। लायरबर्ड जैसे जंगली पक्षी सामान्य तौर पर प्राकृतिक ध्वनियों (जैसे- पशु-पक्षियों की आवाजें या अन्य ध्वनियां, जो उन्हें सुनाई देती हैं) की ही नकल लेते हैं। लेकिन इंसानों के संपर्क में आने पर, इंसानों की आवाज सुनकर लायरबर्ड्स इंसानी बोली की भी नकल कर सकते हैं। *

क्यों करते हैं नकल

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि ये जंतु आवाजों की नकल क्यों करते हैं? नकल करने का जो कारण है, वह इन प्राणियों के प्राकृतिक व्यवहार, सामाजिक संरचना और अस्तित्व की रणनीतियों से जुड़ा होता है।

सामाजिक संवाद: ज्यादातर पक्षी और डॉल्फिन सामाजिक प्राणी हैं। नकल उनकी सामाजिक संरचना का हिस्सा है, जिसके माध्यम से वे अपने समूह के अन्य सदस्यों के साथ संवाद करते हैं। जैसे तोता और मैना अपने झुंड में पहचान स्थापित करने के लिए विशिष्ट ध्वनियों की नकल करते हैं। पालतू होने पर वे मानव को अपने 'झुंड' का हिस्सा मानकर और कभी-कभी उनसे मैत्री भाव दर्शाने के लिए भी उनकी बोली की नकल करते हैं। डॉल्फिन अपने समूह (पॉड) में संवाद के लिए सीटियां और क्लिक्स का उपयोग करती हैं। मानव ध्वनियों की नकल उनके सामाजिक बुद्धिमत्ता का हिस्सा हो सकती है।

पर्यावरणीय अनुकूलन: जंगली पक्षी, जैसे कौए और रेवेन पर्यावरणीय ध्वनियों की नकल करके अपने आस-पास के खतरों या अवसरों को समझते हैं।

उदाहरण के लिए वे शिकारियों की आवाज की नकल करके अन्य जानवरों को चेतावनी देते हैं। लायरबर्ड जैसे पक्षी पर्यावरण की ध्वनियों (जैसे पानी की आवाज या अन्य पक्षियों की कॉल) की नकल करके अपने क्षेत्र में छिपने या संवाद करने में मदद लेते हैं।

बुद्धिमत्ता और जिज्ञासा: अफ्रीकी ग्रे तोते और डॉल्फिन जैसे प्राणी अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। उनकी जिज्ञासा और सीखने की क्षमता उन्हें नई ध्वनियों को सीखने और दोहराने के लिए प्रेरित करती हैं। अध्ययनों में पाया गया है कि अफ्रीकी ग्रे तोता 'एलेक्स' न केवल शब्दों को दोहराता था बल्कि उनके अर्थ को समझकर संदर्भ में जवाब देता था, जैसे रंग या आकार के आधार पर वस्तुओं की पहचान करना।

मानव संपर्क का प्रभाव: पालतू पक्षी जैसे तोता, मैना और बजरिगर, मानव बोली की नकल इसलिए करते हैं, क्योंकि वे अपने मालिकों के साथ अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं। यह उनके सामाजिक लगाव का हिस्सा है। मानव द्वारा प्रशिक्षण और पुरस्कार जैसे भोजन या ध्यान आकर्षण भी उन्हें नकल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पुलकित ने एक दिन अपनी मां को बताया कि वह बड़ा होकर वैज्ञानिक बनेगा। उसका यह सपना पूरा हो, इसके लिए मां ने उसे जो सूत्र दिया, बच्चो तुम भी जानो, अपने सपने पूरे करो।

पुलकित का सपना

एआई इमेज

प्रेरक कहानी
नीलम राकेश

बारह साल का पुलकित उस दिन मां के पास आकर बोला, 'मम्मी जी, मैंने फैसला कर लिया है कि मैं बड़ा होकर क्या बनूंगा?'

'अरे वाह! यह तो बहुत अच्छी बात है। क्या सोचा है तुमने?' मां ने उत्सुक होकर पुलकित से पूछा।

'मैं बहुत बड़ा वैज्ञानिक बनूंगा।' पुलकित ने बताया।

'अच्छा तो तुम वैज्ञानिक क्यों बनना चाहते हो?' मां ने जानना चाहा।

'मैं बहुत दिनों से सुन रहा हूं, बड़े लोग बात करते हैं, खेती के लिए जमीन की कमी हो रही है। इस तरह तो अनाज की कमी हो जाएगी। इंसान क्या खाएगा? इसीलिए मैंने सोचा है, मैं वैज्ञानिक बनकर इस समस्या का कोई हल खोजूंगा।' पुलकित थोड़ा गंभीर होकर बोला।

'यह तो बहुत अच्छी बात है। तो तुम खूब मन लगाकर पढ़ाई करो। तभी वैज्ञानिक बनकर तुम अपने सपने को पूरा कर सकोगे।' मां पुलकित के सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए बोलीं।

पुलकित कुछ आश्चर्य से बोला, ' लेकिन मम्मी आप मेरी बात पर हंसी नहीं? जब मैंने अपने दोस्तों को यह बात बताई तो सबने मेरा खूब मजाक उड़ाया। स्कूल में बहुत से बच्चे मुझे देखते ही कहने लगते हैं-आ गए वैज्ञानिक महाशय।'

'यह तो सफलता का पहला लक्षण है। तुम जरूर एक दिन बहुत बड़े वैज्ञानिक बनोगे।' मां ने बेटे का हौसला बढ़ाया।

'वो कैसे..?' पुलकित ने आश्चर्य से मम्मी से पूछा।

'जानते हो बेटा, हमारे जितने भी महान वैज्ञानिक हुए हैं, वे सब आम लोगों से हटकर सोचते थे। क्योंकि वे समय से आगे की सोचते थे। इसलिए लोगों को लगता कि वो जो कह रहे हैं, वह एक पागलपन है। लेकिन आगे जाकर उनका यही पागलपन यानी लक्ष्य पाने का जुनून किसी बड़े आविष्कार का कारण बना। आज लोग तुम पर हंस रहे हैं, क्योंकि वह तुम्हारी बात नहीं समझ पा रहे हैं। बेटा, लोगों का मजाक उड़ाना भूलकर तुम्हें बस अपने ऊपर विश्वास करके खूब मेहनत और गंभीरता से पढ़ाई करनी चाहिए। अपने लक्ष्य के प्रति कटिबद्ध रहना है। देखना एक दिन तुम जरूर सफल होगे।'

मां की बात सुनकर नन्हे पुलकित के चेहरे पर विश्वास की आभा तैर उठी। उसने मन ही मन संकल्प लिया वह वैज्ञानिक बनकर कोई ऐसी खोज जरूर करेगा, जिससे देश में इतना ज्यादा अनाज पैदा हो कि लोगों के लिए इसकी कमी ना हो। *

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

प्रेरित करती कहानियां

बच्चो, वरिष्ठ लेखक गोविंद शर्मा कई दशकों से रोचक, प्रेरक बाल कहानियां लिख रहे हैं। उनकी 36 प्यारी-प्यारी कहानियों की किताब 'मेरी पसंद की बाल कहानियां', शकुंतला कालरा के संपादन में छपकर हाल में ही आई है। ये कहानियां मनोरंजक तो हैं ही, साथ ही हर कहानी में तुमको कोई न कोई प्रेरणा या शिक्षा भी जरूर मिलेगी। 'सोने का अंडा' कहानी कहती है कि लालच हमेशा बुरा परिणाम ही देता है। 'जल की रानी' कहानी में तुम पढ़ोगे कि किस तरह एक नन्ही बच्ची, खरगोश को स्विमिंग पूल में डूबने से बचा लेती है। कुछ इसी तरह की कहानी है 'छत पर पूल', जिसमें बच्चे चिड़िया को बचाने के लिए छत पर तालाब जैसा बना देते हैं। 'काचू की टोपी' कहानी हंसते-हंसाते बताती है कि हमें सच्चाई का रास्ता कभी नहीं छोड़ना चाहिए। इसी तरह 'जल कंजूस', 'चुटकी भर मिट्टी' और 'पानी में पैसा' जैसी कहानियां पर्यावरण के प्रति सजग बनाती हैं। बच्चो, सभी कहानियां तुम्हें जरूर अच्छी लगेंगी। *

किताब : मेरी पसंद की बाल कहानियां–गोविंद शर्मा, **संपादन :** डॉ. शकुंतला कालरा, **मूल्य :** 250 रुपए, **प्रकाशक :** लिटिल बर्ड पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

टीचर: अगर तुम महान काम करोगे, तो तुम्हारा नाम अमर हो जाएगा।
रमन: लेकिन सर, मेरे पुराने नाम का क्या होगा?
-श्रेया, रायपुर

गप्पू: मेरी बिल्ली अपना नाम खुद बोल सकती है।
पप्पू: अच्छा! क्या नाम है तुम्हारी बिल्ली का?
गप्पू: म्याऊं।
-अक्षत, बिलासपुर

टीचर: तुम 18वीं सदी के वैज्ञानिकों के बारे में क्या जानते हो?
रोहित: सर, यही कि वे अब इस दुनिया में नहीं हैं।
-सारांश, रोहतक

जीके क्विज-202

1. आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन कहां किया जाएगा?
2. मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का खिताब किसने जीता है?
3. हरियाणा के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
4. बोहाग बिहू किस राज्य का प्रसिद्ध उत्सव है?
5. वायुमंडल की कौन-सी परत सूर्य से निकलने वाली पराबैंगनी किरणों से हमारी रक्षा करती है?
6. किस शासक ने ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण कराया था?
7. स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री कौन थे?
8. दालों में सेहत के लिए लाभदायक कौन-सा तत्व प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
9. राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष कौन होता है?
10. एनीमिया नामक रोग शरीर में किस तत्व की कमी से होता है?

बच्चो, जीके क्विज-202 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-201 का उत्तर : 1. दिव्या सिंह, 2. सम्राट चौधरी, 3. ताइक्वांडो, 4. भुवनेश्वर कुमार, 5. 1 मई, 6. कृष्णदेव राय, 7. बैकाल, 8. 12 सदस्य, 9. सिस्मोग्राफ, 10. कावेरी

जीके क्विज-201 का सही उत्तर देने वाले : गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, आनंद-सीतापुर, सौम्या-रायगढ़, स्वप्निल-जांजगीर, हेमंत-बिलासपुर, तरुण-रोहतक, कविता-महासमुंद

कहानी
इंदिरा त्रिवेदी

रिनी, वार्डरोब में अपने कपड़े बड़े ही बेतरतीब ढंग से रखती थी। उसकी इसी लापरवाही पर एक दिन उसके कपड़े, आपस में बात करके अपनी नाराजगी, गुस्सा प्रकट करने लगे। उन्हें इस बात की तकलीफ थी कि वे रिनी से कुछ बोल नहीं सकते। फिर भी क्या रिनी की आदत में कोई सुधार हुआ?

काश! हम कुछ कह पाते

एआई इमेज

'लो और कपड़े आ गए वार्डरोब के अंदर! वैसे ही वार्डरोब ठसाठस भरी हुई थी।' कहते हुए रिनी की वार्डरोब में रखी शॉर्ट कुर्ती ने मुंह बनाया। यह देख नया टॉप पहले थोड़ा सकुचाया फिर बोला, 'क्या हुआ बहन, क्या कहना चाह रही हो?'

'कुछ नहीं, तुम नए-नए हो इसलिए कुछ नहीं जानते। कुछ समय बाद तुम्हें अपने आप ही पता चल जाएगा।' शॉर्ट कुर्ती रुक-रुक कर बोली। 'क्या बात है बहन, कुछ तो बताओगी या ऐसे ही पहेलियां बुझाती रहोगी!' नए टॉप ने बात जाननी चाही।

'क्या बताऊं भाई, दरअसल रिनी बहुत लापरवाह लड़की है। कोई भी कपड़ा कहीं भी पटक देती है। कपड़े यहां-वहां पटक देना इसने अपनी आदत ही बना ली है। आज मैं जरूर वार्डरोब में धुली और प्रेस की हुई करीने से रखी हूं, लेकिन पिछले चार दिनों से दरवाजे के पीछे पड़ी धूल खा रही थी। रिनी को जब मम्मी की जोरदार डांट पड़ी, तब उसने मुझे धुलने को दिया और प्रेस होने के बाद मैं आज चैन की सांस ले रही हूं। तुम अभी नए नए हो। धीरे-धीरे सब कुछ जान जाओगे।' शॉर्ट कुर्ती ने अपनी परेशानी बताई। यह सुनकर टॉप सोच में पड़ गया, लेकिन रिनी और घर के अन्य सदस्यों के बारे में जानने की उसकी जिज्ञासा बढ़ गई, बोला, 'अच्छा बहन, रिनी और घर के अन्य सदस्यों के बारे में थोड़ा और बताओ।'

शॉर्ट कुर्ती बोली, 'घर के सदस्यों के बारे में क्या बताऊं भाई। और लोग तो जितने व्यवस्थित हैं, उतनी ही रिनी लापरवाह है। उसकी एक दीदी है, बेचारी अकसर मशीन लगा-लगाकर कपड़े धोती रहती है। मम्मी भी धुले हुए कपड़ों को तह करके जब देखो तब रखती रहती हैं, लेकिन अपने कपड़ों को तो रिनी को खुद ही संभालना चाहिए न। क्यों सही कहा न मैंने?' 'हां, हां बिल्कुल, अपना काम तो स्वयं ही करना चाहिए। और वैसे भी इतनी छोटी थोड़ी है वो जो अपना काम न कर सके।' टॉप बोला।

'वही तो मैं भी कह रही हूं, नाइंथ क्लास में वह आ गई है, कुछ तो अक्ल आ जानी चाहिए न!' कुर्ती भुनभुनाई। 'हूं..!' टॉप ने हां में हां मिलाई। उसके साथ ही वार्डरोब में रखे अन्य कपड़ों ने भी सिर हिलाकर अपनी-अपनी सहमति दी। शॉर्ट कुर्ती ने देखा कि सभी कपड़े उसकी बात को ध्यान से सुन रहे हैं। यह देखकर वह और जोश में आ गई। सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए बोली, 'एक बार की बात बताऊं?'

'हां-हां बताओ-बताओ..।' सभी कपड़े एक स्वर में बोले। कुर्ती ने जोश में बताना शुरू किया, 'करीब दो महीने पहले की बात है, रिनी अपने चाचाजी के घर गई थी। चाचाजी की एक बेटी रिनी की हमउम्र है। उस दिन रिनी ने मुझे ही पहना हुआ था। मैंने देखा रिनी के चाचाजी का घर बहुत बड़ा, साफ-सुथरा था। घर की हर चीज करीने से सजी हुई थी। रिनी के चाचाजी की बेटी का नाम सोना है। उसका एक अलग कमरा था। कमरे में उसकी दो अलमारियां थीं। एक किताबों की और दूसरी कपड़ों की। जब रिनी सोना के कमरे में गई तो उसने अपना कमरा दिखाया, साथ में अपनी अलमारियां भी रिनी को दिखाईं। दोनों अलमारियां बहुत अच्छी साफ-सुथरी और व्यवस्थित थीं। कपड़ों की अलमारी में घर के कपड़ों का अलग रैक था। स्कूल के कपड़े, टाई, बेल्ट, मोजे, बैज हर चीज अपनी जगह पर रखी हुई थी। शू-रैक में शूज और चप्पलें करीने से जमे हुए थे। यह सब देखकर मेरी तो आंखें फटी की फटी रह गईं, लेकिन रिनी पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। हैरानी की बात तो यह है कि सोना स्वयं अपनी दोनों अलमारी को जमाती है, उसे साफ-सुथरा रखती है।' कुर्ती ने यह भी बताया, 'वैसे यहां मम्मी और दीदी भी अपनी चीजों को अच्छी तरह रखते हैं, लेकिन रिनी ही लापरवाह है। ऐसे में हम कपड़ों की उम्र भी कम हो जाती है।'

तभी एक लाल रंग की फ्रॉक चहकते हुए बोली, 'छोटा मुंह और बड़ी बात, एक बात कहना चाहूंगी कि कपड़े इंसान की शोभा बढ़ाते हैं, यह बात सच है कि नहीं।' अन्य कपड़ों ने भी उसकी बात से सहमति प्रकट की, 'बिल्कुल सही कहा लाल फ्रॉक तुमने।' नए टॉप ने भी कपड़ों का महत्व माना, वह बोला, 'अगर व्यक्ति साफ-सुथरे और प्रेस किए कपड़े पहनता है तो उसका व्यक्तित्व कुछ खास नजर आता है। और तो और, अच्छे और साफ-सुथरे कपड़े पहनने से मनुष्य का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।' 'लेकिन इन्हें कैसे समझाएं? काश! हम कुछ कह पाते।' सभी कपड़े एक साथ बोल पड़े। यह चर्चा चल ही रही थी कि कमरे का दरवाजा खुला और रिनी के साथ मम्मी और दीदी भी आ गए। रिनी ने अपनी वार्डरोब जैसे ही खोली, धड़धड़ाते हुए कपड़े जमीन पर गिर पड़े। उसने पलटकर देखा तो मम्मी और दीदी उसे गुस्से में देख रही थीं। रिनी बहुत शर्मिंदा हुई। उसने मन ही मन संकल्प कर लिया कि वह भी अपनी अलमारी को सोना की तरह जमाकर अच्छी तरह रखेगी।

उस दिन के बाद से रिनी सुधर गई और अपने कपड़े ही नहीं, अपनी हर चीज को जगह पर और संभालकर रखने लगी। रिनी की इस बदली आदत से सारे कपड़े खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। दीदी और मम्मी-पापा भी रिनी की तारीफ करते नहीं थक रहे थे।

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

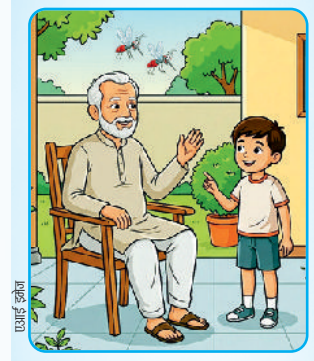

एआई इमेज

मच्छर जब आते हैं

रोहन बोला दादा जी से
मच्छर जब आते हैं।
आसपास कानों के आकर
भन-भन-भन्नाते हैं।
जब भी आते खून चूसकर
चुपके से उड़ जाते।
डेंग्यू और मलेरिया ज्वर
ये मच्छर फैलाते।
दादू बोले दोष न इनका
यह है भूल हमारी।
कचरा नमी गंदगी देखो
फैली कितनी सारी।
साफ स्वच्छ जब आसपास का
वातावरण बनेगा।
दूर-दूर तक कोई मच्छर
तो फिर नहीं दिखेगा।

रंग भरो-200

रंग भरो-200 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

अमोल, बेमेतरा

तोयशराज, रायपुर

आशना, जांजगीर

माही, महासमुंद

आर्यन, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

रियांशी-बहादुरगढ़, विशिका-बिलासपुर, झरना-धमतरी, डॉली-मटियारी, किंजल-जबलपुर, सुमित-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, दिव्या-जांजगीर, कविता-रायपुर, हितेश-दिल्ली, राकेश-हिसार, अंकित-गुना, सुयश-करनाल, रिंकी-बालोद

रंग भरो 201

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में पिंकी ड्रॉइंग बना रही है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

रुपया 33 पैसे टूटकर 94.11 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपये में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन गिरावट आई और यह 33 पैसे टूटकर 94.11 प्रति डॉलर पर रहा। रुपया एक महीने में दूसरी बार 94 के स्तर से नीचे आया। पश्चिम एशिया में शांति वार्ता में कोई प्रगति न होने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और अमेरिकी मुद्रा की वैश्विक मांग में वृद्धि के बीच विदेशी पूंजी की निकासी के कारण भी रुपये पर दबाव बना रहा।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ का मुनाफा 18 फीसदी घटा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी का मार्च, 2026 में समाप्त तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 187 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 228 करोड़ रुपये था। संपत्ति प्रबंधन कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय सात प्रतिशत बढ़कर 458.2 करोड़ हो गई जो एक साल पहले 429 करोड़ रुपये थी।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का मुनाफा बढ़कर 723 करोड़

नई दिल्ली। अदाणी समूह की कंपनी अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 1.3 प्रतिशत बढ़कर 723 करोड़ रुपये रहा।

भारत में अरबपतियों की संख्या 2031 तक 313 होने का अनुमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है। अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में 'तेजी से वृद्धि' हुई है।

नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' में कहा, अत्यधिक नेटवर्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 होने का अनुमान

वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में भूमिका बढ़ी

नाइट फ्रैंक के अनुसार, '' भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है।''

कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत

भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की कुल संख्या में मुंबई की हिस्सेदारी 35.4 प्रतिशत है। भारत अब दुनिया में यूएचएनडब्ल्यूआई की छठी सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। वैश्विक स्तर पर यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2021 के 5,51,435 से बढ़कर 7,13,626 हो गई है।

पांच वर्षों में अरबपति 58 प्रतिशत बढ़े

नाइट फ्रैंक के अनुसार, देश में पिछले पांच वर्ष में अरबपतियों की संख्या 58 प्रतिशत बढ़कर 2026 में 207 हो गई है जिससे यह अमेरिका (914) और चीन (485) के बाद तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में अरबपतियों की संख्या 2026 की शुरुआत के 207 से बढ़कर 2031 तक 51 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 313 होने का अनुमान है।

धनवानों का बढ़ना आर्थिक विकास की निशानी

नाइट फ्रैंक इंडिया के अंतरराष्ट्रीय साझेदार, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, '' भारत में धनवानों की संख्या का बढ़ना उसकी आर्थिक विकास को दर्शाता है। यह अधिक उद्यमशील अर्थव्यवस्था बनते हुए मजबूत पूंजी भंडार, अधिक विकसित वित्तीय बाजारों और वैश्विक स्तर पर जुड़े संस्थापकों एवं निवेशकों के बढ़ते समूह के साथ आगे बढ़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण, सूचीबद्ध शेयर बाजार, निजी पूंजी और पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यवसाय सभी इसमें भूमिका निभाते हैं।

मंत्रालय ने चुनाव के बाद पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ाने से भी किया इंकार

पेट्रोल, डीजल की कीमत बढ़ाने की अभी कोई योजना नहीं : सरकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां पेट्रोल पर लगभग 20 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 100 रुपये प्रति लीटर का नुकसान उठा रही हैं।

देश की सार्वजनिक तेल कंपनियां नुकसान उठा रही

सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमत को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतें 25-28 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए जाने का दावा करने वाली खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 20, डीजल पर 100 रुपए लीटर का नुकसान

कच्चा तेल युद्ध से पहले 70 डॉलर प्रति बैरल था

पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर एक सम्मेलन में पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि कच्चे तेल और एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतें बहुत अस्थिर रही हैं। फिर भी सरकार ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं। उन्होंने बताया कि कच्चा तेल पिछले साल 70 डॉलर प्रति बैरल था और इस महीने औसतन 113 डॉलर से अधिक रहा।

तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा संभालता है होर्मुज

अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले तथा उसकी जवाबी कार्रवाई के बाद तेजी से बढ़ी हैं। इससे दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, फारस की खाड़ी को वैश्विक बाजारों से जोड़ने वाला तथा वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा संभालने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है।

ईरान युद्ध से तेल बढ़कर 119 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

ईरान युद्ध के बाद तेल की कीमतें लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 119 डॉलर तक पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में कुछ गिरावट आई। नए सिरे से तनाव शुरू होने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत 103-106 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई है। कच्चे कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे हैं।

भारत में पिछले चार साल से पेट्रोल व डीजल की कीमतें नहीं बढ़ी

मंत्रालय ने कहा कि ऐसी खबरें ''नागरिकों में डर एवं घबराहट पैदा करने के लिए पेश की जा रही हैं और ये भ्रामक व गुमराह करने वाली हैं।'' 'एक्स' पर मंत्रालय की ओर से यह भी कहा गया, ''दरअसल, भारत ही एक ऐसा देश है जहां पिछले चार साल में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेज बढ़ोतरी के प्रभाव से भारतीय नागरिकों को बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।''

स्पष्टीकरण कोटक की रिपोर्ट के बाद आया

यह स्पष्टीकरण कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें संकेत दिया गया था कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है। कोटक ने कच्चे तेल की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति बैरल रहने के आधार पर 25-28 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया था।

पश्चिम एशिया संकट से चावल का निर्यात 7.5 प्रतिशत घटा

चावल निर्यात 2025-26 में घटकर 11.53 अरब डॉलर ईरान भारत के बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश का चावल निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5 प्रतिशत घटकर 11.53 अरब डॉलर रह गया। पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों सहित प्रमुख बाजारों को निर्यात में कमी इसकी मुख्य वजह रही। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। वहीं मार्च में निर्यात 15.36 प्रतिशत घटकर 99.75 करोड़ डॉलर रहा।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध के कारण ईरान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और ओमान सहित पश्चिम एशिया क्षेत्र के देशों को होने वाले निर्यात पर असर पड़ा है। ईरान, भारत के बासमती चावल का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है लेकिन मौजूदा अस्थिरता के कारण ऑर्डर प्रवाह, भुगतान और जहाजों की आवाजाही

पर दबाव बढ़ता दिख रहा है।

खबरों के अनुसार, आयातकों ने अपनी मौजूदा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और भारत को भुगतान भेजने में असमर्थता जताई है जिससे निर्यातकों के लिए अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 172 से अधिक देशों को 2.01 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था जिसकी कीमत 12.5 अरब डॉलर थी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा 6.6 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का एकल शुद्ध लाभ 2025-26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 6.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,316 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 4,985 करोड़ रुपये था। बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध ब्याज आय या मुख्य आय सालाना आधार पर 1.14 प्रतिशत घटकर 9,406 करोड़ रुपये रह गई।

भारत में अरबपतियों की संख्या 2031 तक 313 होने का अनुमान

नई दिल्ली। देश में प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में संपत्ति सृजन से 2031 तक अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्तियों की संख्या 25,217 और अरबपतियों की 313 होने का अनुमान है।

अत्यधिक नेटवर्थ वाले व्यक्ति (यूएचएनडब्ल्यूआई) वे होते हैं जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक होती है। वर्तमान में भारत में ऐसे व्यक्तियों की संख्या 19,877 है। जबकि अरबपतियों की संख्या 207 हैं। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक ने अपनी 'द वेल्थ रिपोर्ट 2026' बृहस्पतिवार को जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अनिश्चितताओं, बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं और असमान आर्थिक प्रदर्शन के बावजूद वैश्विक संपत्ति सृजन में 'तेजी से वृद्धि' हुई है।

वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में भूमिका बढ़ी

नाइट फ्रैंक के अनुसार, '' भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 19,877 से बढ़कर 2031 तक 25,217 होने का अनुमान है, जो वैश्विक संपत्ति परिदृश्य में उसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। साथ ही प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्रों और पूंजी बाजारों में असाधारण संपत्ति सृजन को भी रेखांकित करता है।''

धनवानों का बढ़ना आर्थिक विकास की निशानी

नाइट फ्रैंक इंडिया के अंतरराष्ट्रीय साझेदार, चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, '' भारत में धनवानों की संख्या का बढ़ना उसकी आर्थिक विकास को दर्शाता है। यह अधिक उद्यमशील अर्थव्यवस्था बनते हुए मजबूत पूंजी भंडार, अधिक विकसित वित्तीय बाजारों और वैश्विक स्तर पर जुड़े संस्थापकों एवं निवेशकों के बढ़ते समूह के साथ आगे बढ़ रहा है।''

बीसीसीएल का लाभ 58% गिरकर 27.28 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया की अनुषंगी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 58.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ 27.28 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 66.50 रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।बीसीसीएल देश में कोकिंग कोयले के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।

इंफोसिस का लाभ 21 फीसदी बढ़कर 8,501 करोड़ रुपए

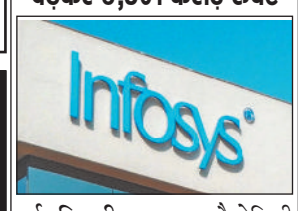

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपये हो गया। बेंगलुरु मुख्यालय वाली कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 7,033 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी की परिचालन आय वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले 40,925 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में इन्फोसिस का शुद्ध लाभ 10.20 प्रतिशत बढ़कर 29,440 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 26,713 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में परिचालन आय 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1,78,650 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए इन्फोसिस ने स्थिर मुद्रा आधार पर 1.5 से 3.5 प्रतिशत राजस्व वृद्धि का अनुमान दिया है।

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़, शिवनाथ-भवन, नार्थ ब्लॉक सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर, जिला-रायपुर

-:: शुद्धि पत्र ::-

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3323162/छ.ग. /2023/1870 दिनांक 26.02.2026 एवं समसंख्यक पत्र क्रमांक 1872 दिनांक 26.02.2026 द्वारा अनुरेखक (सिविल) के 35 पदों को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, नवा रायपुर अटल नगर जिला-रायपुर / संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर के माध्यम से भरे जाने हेतु संक्षिप्त विज्ञापन जारी किया गया है। उक्त जारी विज्ञापन के कॉलम 15 में OL, BL-01, HH = 01 दिव्यांगजनों के लिए पद आरक्षित किया गया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित समाज कल्याण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर का अधिसूचना क्रमांक 104, दिनांक 25 फरवरी 2026 जारी में अनुरेखक (सिविल) पद के लिए पद हेतु दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांगता की श्रेणी शब्द संक्षेप संक्षिप्त विज्ञापन जारी के कॉलम 15 में निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाता है :-

LV, HH, OL, LC, DW, AAV, SLD, MI
01-HH,
01-LV, OL, LC, DW, AAV, SLD, MI
HH- (Hard of Hearing) LV- (Low Vision) OL (One Leg) LC- (Leprosy Cured) DW-(Dwarfism) AAV- (Acid Attack Victims) SLD- (Specific Learning Disability) MI- (Mental Illness)

विज्ञापन के शेष विवरण, नियम, शर्तें / कंडिका यथावत रहेंगें।

जी-252606949

नोडल अधिकारी/कार्यपालन अभियंता,
वास्ते प्रमुख अभियंता,
जल संसाधन विभाग, छत्तीसगढ़,
नवा रायपुर, अटल नगर

जी. 262700339/2

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर (छ.ग.)
जोन क्रमांक-9
मोवा थाना के पास स्थित सामुदायिक भवन

क्रमांक / 65/न.पा.नि/ जोन क्र. 09/2026 रायपुर, दिनांक 23/04/2026

रेनवाटर हार्वेस्टिंग स्थापना रुचि की अभिव्यक्ति (द्वितीय)

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 09 क्षेत्रांतर्गत विभिन्न आवासीय भवनों/व्यावसायिक परिसरों / औद्योगिक उपक्रमों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग हेतु अनुमोदित डिजाईन, ड्राइंग एवं स्वीकृत दर अनुसार निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत अशासकीय संगठनों (एन.जी.ओ.) स्व-सहायता समूह, असंगठित कामगारों की पंजीकृत समितियों, बेरोजगार इंजीनियर्स (सिविल). इच्छुक फर्म, निगम में रजिस्टर्ड जियो हाईड्रोलॉजिस्ट, एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदरों से रुचि की अभिव्यक्ति (द्वितीय) मैनुअल पद्धति से दिनांक 08.05.2026 को संध्या 5.00 बजे तक स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से आमंत्रित किया जाता है। कार्य के लिए राशि रु.3000.00 (वापसी अयोग्य) डिमांड ड्राफ्ट आवेदन / प्रस्ताव के साथ राशि रु. 1,50,000.00 का एफ.डी.आर. आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम पर देय प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा, रेनवाटर हार्वेस्टिंग के प्राक्कलन तथा दरों से संबंधित विस्तृत जानकारी जोन क्रमांक-9 नगर पालिक निगम, रायपुर से कार्यालयीन दिवस एवं समय पर प्राप्त किया जा सकता है।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
प्रथम तल, उद्योग भवन रिंग रोड नं. 1, तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.)-492006
दूरभाष: 0771-6621000: फैक्स 0771-2583794
CIN: U45203CT1981SG001853,PAN: AABCM6288N,GST Regn. No. 22AABCM6288N5ZY
Website: www.csidc.in, Email address.csidc.cg@nic.in.csidc_raipur@yahoo.com

रायपुर दिनांक 21.04.2026

शुद्धिपत्र
प्रथम आमंत्रण, अल्पकालीन निविदा सूचना (मैन्यूअल पद्धति)

निविदा क्रमांक 08/सीएसआईडीसी/ई.ई.-1/संभाग-1/2026-27/रायपुर, दिनांक 17/04/2026 आमंत्रित किया गया था, जिसमें कालम क्र 02 में उल्लेखित अनुसार आमंत्रित निविदा में पढ़ा जावे।

आमंत्रित निविदा में दर्शित				आमंत्रित निविदा में पढ़ा जावे			
कालम (01)				कालम (02)			
क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत रू.	अमानत राशि रू.	क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत रू.	अमानत राशि रू.
1	शाखा कार्यालय तिफरा बिलासपुर की रंगाई-पोताई, महिला शापिंग काम्पलेक्स तिफरा बिलासपुर के बाथरूम का मरम्मत एवं महिला शापिंग काम्पलेक्स हेतु भू-तल में टायलेट का निर्माण कार्य।	9.87 लाख	7,500.00	1	शाखा कार्यालय तिफरा बिलासपुर की रंगाई-पोताई, महिला शापिंग काम्पलेक्स तिफरा बिलासपुर के बाथरूम का मरम्मत एवं महिला शापिंग काम्पलेक्स हेतु भू-तल में टायलेट का निर्माण कार्य।	7.29 लाख	5,500.00
शर्तें :-				शर्तें :-			
(1)	कोरे निविदा प्रपत्र इस कार्यालय के कार्यपालन अभियंता संभाग-1 से कार्यालयीन अवधि में निविदा प्रपत्र का निर्धारित मूल्य नगद मुख्यालय उद्योग भवन, द्वितीय तल रिंग रोड नम्बर 01, तेलीबांधा रायपुर में भुगतान कर दिनांक 09/05/2026 को अपरान्ह 5.00 बजे तक तकनीकी कार्यालय कार्यपालन अभियंता संभाग-1 सीएसआईडीसी, उद्योग भवन, द्वितीय तल रिंग रोड नम्बर 01, तेलीबांधा, रायपुर से प्राप्त किया जा सकता है।			(1)	कोरे निविदा प्रपत्र इस कार्यालय के कार्यपालन अभियंता संभाग 1 से कार्यालयीन अवधि में निविदा प्रपत्र का निर्धारित मूल्य नगद मुख्यालय उद्योग भवन, द्वितीय तल रिंग रोड नम्बर 01, तेलीबांधा रायपुर में भुगतान कर दिनांक 07/05/2026 को अपरान्ह 5.00 बजे तक तकनीकी कार्यालय कार्यपालन अभियंता संभाग-1 सीएसआईडीसी, उद्योग भवन, द्वितीय तल रिंग रोड नम्बर 01, तेलीबांधा, रायपुर से प्राप्त किया जा सकता है।		

संवाद-47602 कार्यपालन अभियंता संभाग-01

DIRECTORATE OF TECHNICAL EDUCATION, CHHATTISGARH
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, छत्तीसगढ़
Indrawati Bhavan, Block-3, 3rd/4th Floor, Nawa Raipur, Atal Nagar-492002
इन्द्रावतीभवन, ब्लाक-3 तृतीय / चतुर्थ-तल, अटलनगर, 492002

Advertisement for inviting idea/ Proof of Concept (PoC) or Startup Proposals

Chhattisgarh Student Startup and Innovation Hub (i-Hub Chhattisgarh), a flagship initiative of the Directorate of Technical Education, Government of Chhattisgarh, invites applications for incubation support from innovative ideas/Proof of Concept (POC) and early-stage startups. Applications for both ideas and startups will open on 25/04/2026 (10:00 AM) and close on 10/05/2026 (11:59 PM). Applicants may submit their application through the official website of Directorate of Technical Education,Chhattisgarh i.e.http://dte.cg.gov.in and Government Engineering College Raipur's website i.e http://gecraipur.ac.in.

Detailed eligibility, focus areas, supports offered and online application form link can be found on the website (http://dte.cg.gov.in and http://gecraipur.ac.in). For further assistance or queries applicants may contact the toll-free no. 1800-233-3102 & 0771-2995508 on all working days between 10:30 AM to 05:30 PM.Alternatively, queries may also be sent via email to the i-Hub Chhattisgarh at ihub.cg@gecraipur.ac.in

C.E.O
Chhattisgarh Student Startup and Innovation Hub
(i-Hub Chhattisgarh)

G.- 262700354/3

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड
'सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन' सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018
फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/वि.स.क्षे.कोटा/25/2026-27/591 नवा रायपुर, दिनांक 22/04/2026

ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर अंतर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 12.05.2026,
फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि - 19.05.2026

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस.ओ.आर विवरण
1	जिला बिलासपुर कृषि उपज मंडी समिति/वि.खं. कोटा क्षेत्रांतर्गत ग्राम कुसमुली आमने, लिटिया, धुमा, बिल्लीबंद परसापानी, रमदेई, केन्दा (आश्रित मोहल्ला बंधवापारा) में सामुदायिक भवन निर्माण एवं ग्राम पोड़ी में कव्हर्ड शेड निर्माण।	138.53	लो.नि.वि. सड़क कार्य हेतु दिनांक 01.01.2025 एवं विद्युत कार्य दिनांक 01.07.2015 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- सचिव कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर
सही/- भारसाधक अधिकारी कृषि उपज मंडी समिति कोटा जिला बिलासपुर

सं. 47601

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)
मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)
विद्युत शाखा

फा.क्र. / 1505, 1516 एवं 1518 / विद्युत शाखा) 2025/ कोरबा, दिनांक 21.04.2026

निविदा आमंत्रण की सूचना

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा लोक निर्माण विभाग (विद्युत कार्य) से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी वर्ग-डी एवं प्रवर श्रेणी में एवं छ.ग. अनज्ञापन मंडल (विद्युत) में उचित क्षेणी में विद्युतीकरण कार्य हेतु पंजीकृत ए क्लास लाईसेंसी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग (विद्युत) रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि - 13.05.2026 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि - 13.05.2026 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू में
1	वार्ड क्र. 62 अंतर्गत एस.ई.सी.एल.सब स्टेशन से वृद्धा आश्रम तक बिजली केबल के आपूर्ति एवं लटकाने का कार्य। (निगम मद) (द्वितीय निविदा)	2,64,000/-	2,700/-
2	वार्ड क्र. 03 जोडा पूल में हाई मास्ट (20 मीटर) की प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (निगम मद (प्रथम निविदा)	4,69,983/-	4,700/-
3	वार्ड क्र. 18 भावनी मंदिर तिराहा में हाई मास्ट (30 मीटर) की प्रदाय एवं स्थापना कार्य। (निगम मद (प्रथम निविदा)	7,80,432/-	7,800/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www.korbamunicipal.in एवं www.uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छ.ग.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

जंग जीती और...

सुंदरराज पट्टलिंगम का कहना है कि नक्सलवाद की समाप्ति में दूरस्थ क्षेत्रों में खोले गए सुरक्षा कैम्पों की विशेष भूमिका रही। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बस्तर रेंज के विभिन्न संवेदनशील एवं दूरस्थ क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से लगभग 410 सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए हैं। इन कैंपों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, आरपीएफ, सीएएफ तथा जिला पुलिस के लगभग 56 हजार जवान तैनात हैं। यह जवान विभिन्न ऑपरेशनल तथा एरिया डोमिनेशन ड्यूटी पर तैनात हैं। इन कैंपों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना ही नहीं बल्कि इन्हें इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित करना भी है, जिसके माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, राशन, सड़क, बिजली, बैंकिंग और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाई जा रही हैं।

बीजापुर व सुकमा...

अपेक्षाकृत कम लेकिन महत्वपूर्ण स्थानों पर कैंप स्थापित किए गए हैं, जिससे एरिया डोमिनेशन और विकास कार्यों को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा रहा है।

दुबारा हिंसा का...

राशन दुकानों की स्थापना, प्राथमिक विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, मोबाइल टावर तथा रेलवे लाइन बिछाने जैसे विकास कार्यों को सुरक्षित वातावरण प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय युवाओं के साथ खेल गतिविधियां, जनसंपर्क और जागरूकता कार्यक्रम भी चला रहे हैं। जहां तक सुरक्षा बलों की पूर्ण वापसी का प्रश्न है, यह सरकार के निर्णय के आधार पर एक चरणबद्ध प्रक्रिया होती है। किसी भी अशांत क्षेत्र में सुरक्षा बल तब तक तैनात रहते हैं जब तक प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह मजबूत न हो जाए और स्थानीय स्तर पर पुलिसिंग पर्याप्त न हो जाए और हिंसक गतिविधियों की संभावना पूरी तरह समाप्त न हो जाए। आईजी ने कहा कि ऐतिहासिक अनुभव यह बताता है कि शांति स्थापित होने के बाद भी कुछ समय तक सुरक्षा उपस्थिति बनाए रखना आवश्यक होता है, ताकि दोबारा हिंसा का वातावरण न बन सके।

सुरक्षाबलों की...

स्थानीय नेटवर्क विकसित करने के अलावा कैंपों की सुरक्षा और लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान करना तथा अन्य बुनियादी पुलिसिंग से जुड़े कार्य करना होता है। सुरक्षा कारणों से पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों की दैनिक दिनचर्या का पूरा विवरण सार्वजनिक करना संभव नहीं होता। लेकिन सुरक्षा बलों की ड्यूटी अक्सर अनिश्चित और लंबे समय तक चलने वाली होती है। सामान्य तौर पर जवानों का रूटीन ब्रीफिंग से शुरू होता है, जिसके बाद ऑपरेशन, पेट्रोलिंग, प्रशिक्षण और फिटनेस गतिविधियां होती हैं। इसके लिए डिब्रीफिंग की जाती है और अगले दिन की योजना बनाई जाती है।

हिंसा के बीच...

खूनी झड़प हुई। कबीर की पुलिस अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। उन्होंने इस हमले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। कूचबिहार के तूफानगंज इलाके में मतदान के दौरान भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को नियंत्रण से बाहर होता देख वहां तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने मोर्चा संभाला. सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज कर और भीड़ को खदेड़कर स्थिति को तितर-बितर किया. आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व मतदाताओं को डराने का प्रयास कर रहे थे, जिसके बाद जवानों को बल प्रयोग करना पड़ा।

बंगाल में हिंसा...

पथराव हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। हुमायूं की कार पर पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया। 00 सिलीगुड़ी के जगदीश चंद्र विद्यापीठ में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। बूथ के बाहर दोनों पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ता देख सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। यहां से शंकर घोष भाजपा प्रत्याशी हैं।

अमित को राहत,...

कानूनी प्रभाव लागू नहीं रहेगा, जब तक सुप्रीम कोर्ट अंतिम निर्णय नहीं देता। इसके साथ ही, सर्वोच्च अदालत ने एक और महत्वपूर्ण आदेश में हाईकोर्ट के 2 अप्रैल के फैसले को भी स्थगित कर दिया है। इस फैसले में अपीलकर्ता अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 302 (हत्या) और धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ वकीलों की दलीलें सुनने और उन पर विचार करने के बाद यह अंतरिम राहत प्रदान की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के उक्त निर्णय का प्रभाव और संचालन अगले आदेश तक स्थगित रहेगा।

शो पीस साबित...

प्रदाय योजना दम तोड़ रही है। इसके अंतगर्त 23 गांवो में हर घर जल पहुचाने की योजना थी, जो सिर्फ कागजो पर चल रही है। घरो में लगे नल सिर्फ फाइलों में शोभा बढ़ा रहे है। वहीं यह योजना 23 गांवों के ग्रामीणों के लिए सफेद हाथी साबित हो रही है। पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर को पत्र देकर गुहार लगाई लेकिन अब तक इंतजार ही हाथ लगा है। गांव-गांव में पानी की किल्लत के चलते कई लोग कर्ज लेकर बोर कराने मजबूर हो गये हैं। क्योकि कई गांवो में महिलाएं रतजगा कर पानी भरने मजबूर है। ग्रामीण राजेश साहू ने बताया कि घर में बोर से पानी नही आ रहा है, जिसके कारण बहुत परेशानी होती है। समय रहते पेयजल व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। गौरतलब है कि एक तरफ घरों में जलसंकट है तो शासकीय संस्थान भी इससे अछूते नहीं है। शासकीय कॉलेज निकुम में प्रसाधन तक के लिए पानी नसीब नही होता है। ऐसे सार्वजनिक जगह में कुंआ खुदाई करे, कुछ तो जल का स्त्रोत बनता।

21 करोड़ की...

विनायकपुर और मासाभाट सहित 23 गांवो में शिवनाथ नदी से पानी लाने चंगोरी इंटकवेल सिस्टम लगेगा। वही बिरेझर से फिल्टर कर थनौद में बनी एमबीआर से 23 गांवो में पानी गांव गांव में बने पानी टंकी में सप्लाई होगा। अक्टूबर 2023 में कार्य का श्रीगणेश हुआ और अब तीन साल बीत रहे लेकिन कार्य अधूरा है। आरोप है कि विभागीय निष्क्रियता के कारण ठेकेदार मनमाने रवैये से काम कर रहे है। घरो में नल पोस्ट जरुर बनाये गये, लेकिन पानी तो फिलहाल दूर हैं। जिसके कारण ग्रामीण जनता बेहद परेशान है।

टंकी है मगर...

"बोरिंग है, लेकिन बहुत दूर है। मजबूरी में हमें वहां जाना पड़ता है। दिनभर की थकान और तेज धूप में पानी लाना सबसे बड़ी समस्या बन गई है।"42 डिग्री तापमान में यह स्थिति ग्रामीणों के लिए किसी सजा से कम नहीं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गांव में बनी पानी टंकी को लगभग 12 साल हो चुके हैं, लेकिन आज तक उसका उपयोग नहीं हो पाया। टंकी अब उपयोग के बजाय उपेक्षा का प्रतीक बन चुकी है— कुछ लोग तो इसके अंदर जलाऊ लकड़ी तक रखने लगे हैं। यह तस्वीर साफ दिखाती है कि किस तरह सरकारी योजनाएं जमीन पर दम तोड़ रही हैं। **ठेकेदार की लापरवाही, भुगत रहा गांव-** पानी की किल्लत को दूर करने में लगे हैं, अभी गांव में बोर के माध्यम से पानी दिया जा रहा है। टंकी बनाई गई है जिसमे पाइप लाइन नही बिछाई गई है। ठेकेदार की लापरवाही के कारण पूरा गांव भुगत रहा है। **डोनेश्वर साहू** सरपंच खम्हरिया

छग के किसानों...

के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर राज्य के स्वयं के कर संग्रह में लगभग 95.5 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। जहां वर्ष 2020-21 में कुल संग्रह 22 हजार 889.20 करोड़ रुपये था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 44 हजार 764.99 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। यह जानकारी सीएजी की एक रिपोर्ट से सामने आई है।

लगान (भू-राजस्व)...

दौरान कई पुराने 'डुप्लिकेट' या गलत तरीके से दर्ज लगान रिकॉर्ड्स को हटाया गया है, जिससे कागजी राजस्व में कमी दिख सकती है।

लगान में रियायत...

के दायरे में आ जाती है। हालाँकि इससे 'स्टांप शुल्क' बढ़ता है, लेकिन मूल 'भू-राजस्व' के मद में संग्रह कम होने लगता है।

30 को विधानसभा...

प्रस्ताव के माध्यम से सरकार यह संदेश देना चाहती है कि वह महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस मामले में विपक्ष की नकारात्मक भूमिका को जनता के सामने लाएगी।

न्यायालय के आदेश...

लंबित भुगतान नहीं करने के चलते जिला न्यायालय के आदेश के बाद खाद्य विभाग कार्यालय के कम्प्यूटर, टेबल, कुर्सी, पंखे, कूलर और आलमारी सहित अन्य सामानों की कुर्की की प्रक्रिया शुरू की गई। इतना ही नहीं, कार्रवाई के दायरे में कलेक्टर न्यायालय के फर्नीचर और उपकरण भी शामिल किए गए। **न्यायालय ने पूर्व में दिया था भुगतान का आदेश-** न्यायालय ने वर्ष 2023 में भुगतान के आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया था कि आदेश की अवहेलना पर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि उस समय आपसी सहमति से कार्रवाई रोक दी गई थी और विभाग को समय दिया गया था, लेकिन तय अवधि बीत जाने के बाद भी भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद पुनः न्यायालय के निर्देश पर कुर्की की प्रक्रिया शुरू हुई। **खाद्य विभाग में अफरा-तफरी-** रेस्टोरेंट संचालक अपने वकील और न्यायालय कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे, जहां कार्यालय के सामानों की सूची बनाकर जब्ती की कार्रवाई प्रारंभ की गई। इस दौरान खाद्य विभाग में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद तो रहे, लेकिन मीडिया से दूरी बनाते नजर आए। हालांकि, कार्रवाई के बीच विभाग ने एक बार फिर समय मांगते हुए 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में मामले के निपटारे की लिखित सहमति दी है। इसके चलते कुर्की की प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। अब पूरे मामले की नजरें आगामी लोक अदालत पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि वर्षों से लंबित यह विवाद किस तरह समाप्त होता है।

रायपुर में होगा...

करदाता कारोबारियों को अब कर विवाद का निपटारा करने बिलासपुर तक दौड़ लगाने से राहत मिलेगी। सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स एक्ट 2017, सीजीजीएसटी एक्ट के अंतर्गत आने वाले मामलों की सुनवाई अब रायपुर बेंच में होगी। इससे कारोबारियों के समय और खर्च में कमी आने की उम्मीद है। **बेंच शुरू होने के बाद यह होगा फायदा-**जीएसटी विवादों के जल्द निपटारा करने जीएसटी की अपीलीय अधिकरण बेंच शुरू होने के बाद कारोबारियों को कई तरह के लाभ होंगे। इससे कारोबार में गति मिलने के साथ ही राज्य तथा राज्य के बाहर के कारोबारियों के मन में विश्वास जागृत होगा। इससे कारोबार को गति मिलेगी। यह कदम छत्तीसगढ़ में कर प्रशासन और न्यायिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा सुधार माना जा रहा है। नई बेंच शुरू होने के बाद कारोबारियों को जो प्रमुख लाभ होगा, वह इस तरह से है- - जीएसटी विवादों का तेजी से निपटान, - हाईकोर्ट पर मामलों का बोझ कम, - स्थानीय स्तर पर आसान न्याय व्यवस्था, - व्यापार और उद्योग को राहत ,

बार एसोसिएशन...

लिए एक समर्पित मंच उपलब्ध हो गया है। उन्होंने सभी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, वकीलों और कर सलाहकारों से नए नियमों से जल्द परिचित होने की अपील की।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

दर-दाँत (गम पेंट) बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769

हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सेल्समैन एवं गोडाउन हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (40650)

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने, बर्तन धोने के वाले चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937 (40651)

आवश्यकता है- टायर दुकान में काम करने हेतु युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सिन्ध ऑटो स्टोर्स गांधी चौक बिलासपुर (40654)

आवश्यकता है- साफ सफाई, अन्य काम हेतु मेहनती पुरुष (परिवार सहित रहने वाला) एवं चलाने हेतु ड्राईवर, स्कूल हेतु पुरुष क्लर्क चाहिए वेतन 10000 आवास फ्री सम्पर्क- राजकिशोर नगर बिलासपुर 9752583075, 8109728526 (40657)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड- 2, रिसेप्शनिस्ट- 2 (m/f), कैशियर- 2 (m/f), किचन सुपरवाइजर- 2, स्टोर कीपर- 1 चाहिए। वेतन योग्यतानुसार, रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क- होटल डाउन टाऊन, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9144666000, 90399 00022 (40658)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में कार्य करने हेतु शिक्षित अनुशासित स्मार्ट युवक, युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गुलाब नगर, सीपत रोड बिलासपुर 8827625305 (40655)

आवश्यकता है- एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी में आकर्षक कमीशन पर अभिकर्ताओं की आवश्यकता है प्रायवेट कार्य करने वाले गृहणी, अन्य कंपनी के एजेंट योग्यता 10, 12 ग्रेज्युएट संपर्क करें 73894 86395 (40633)

आवश्यकता है-Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 (40618)

आवश्यकता है- सीए ऑफिस में एकाउंटिंग एवं ऑडिट कार्य करने हेतु स्टाफ की आवश्यकता है केवल सीए ऑफिस में कार्य किए अनुभवी सम्पर्क करे- जाजोदिया चौरसिया एण्ड कम्पनी मध्यनगरी चौक, बिलासपुर 9981120020 (40645)

आवश्यकता है- महिला- कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL Word email हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग), आफिस साफ सफाई चाय, पानी पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर, ऑर्थोपेडिक एवं TKR,THR JOINTS की सर्जरी कराने, ड्राइवर Ecco I10 Nexon चलाने वेतन 9000- 30000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम, MIG-70, नेहरू नगर, बिलासपुर 9326609234 (40653)

Required - Need a good, smart and efficient gents hair dresser for our salon. Interested candidates can come with biodata for interview and demo. Venue- The Heritage Prime salon Opp. to Minocha Colony, Near Indusland bank Uslapur Road Bilaspur. Contact- 7748859999 (40637)

आवश्यकता है- फार्म हाउस/ घर की देखरेख के लिए एक जिम्मेदार व्यक्ति (छोटा परिवार/ एकल युवक) की आवश्यकता है, कार्य में चौकीदारी, साफ सफाई, सब्जी भाजी उगाना व पौधों की देखरेख शामिल है, रहने की सुविधा उपलब्ध, वेतन आपसी सहमति से तय होगा, सम्पर्क करें- 9589601111, 97533 01111 (40640)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्समैन लड़का एवं सेल्स गर्ल लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- अमित थ्रेड गोल बाजार बिलासपुर 9827923507 (40635)

आवश्यकता है- तिफरा, परसदा, सिरगिट्टी, बिलासपुर के प्रतिष्ठित, औद्योगिक संस्थानों हेतु सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्डों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन शासकीय नियम अनुसार। आवास निःशुल्क। अपने मूल दस्तावेजों सहित तत्काल सम्पर्क करें- अम्बे प्लाजा ग्राउण्ड फ्लोर तिफरा बस स्टैण्ड बिलासपुर 95222 39468, 8839727959 (40648)

आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक के लिए 1 BDS और 2 चेयर साइड असिस्टेंट की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- गुरुकृपा दन्त चिकित्सालय अयोध्या नगर, रिंग रोड नम्बर- 2, बिलासपुर 9406211335 (40646)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (40649)

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज शॉप में दुकान एवं गोदाम में काम करने हेतु लड़को की आवश्यकता है । वेतन काम एवं एक्सपीरियंस के अनुसार रहेगा, सम्पर्क करें- कार इंटीरियो, इमलीपारा बिलासपुर 9893200002 9074336633 (40625)

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके सोनभद्र उत्तर प्रदेश ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 6265407475, 9303374409 (402)

आवश्यकता है-लाईट शोरूम में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है जिन्हे बिजली दुकान में काम करने का अनुभव हो अनुभवी को प्राथमिकता वेतन अनुभव के अनुसार सम्पर्क करें- 99935 66695 (40598)

आवश्यकता है- ड्राईवर टाटा 407, 712 गाड़ी चलाने हेतु ड्राईवर की एवं साउंड एलईडी स्क्रीन कार्य हेतु हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रेम इवेंट्स 9981517475, बिलासपुर (40641)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (40636)

आवश्यकता है- एजेन्सी कार्य हेतु छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर एवं ऑटो चलाने हेतु ड्राइवर की। सम्पर्क- महावीर एजेन्सी, साई मन्दिर एवं टारगेट एकेडमी के पास नेहरू नगर रोड बिलासपुर 9755885780, 9893056083 (40647)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (40634)

आवश्यकता है- अनुभवी कार ड्राईवर की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सुबह 9 से 11बजे तक, डॉ. नितिन अग्रवाल, प्रकृति, लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, नेहरु नगर, बिलासपुर 7869911027 (40644)

आवश्यकता है- पैट्रोल पम्प पर कार्य करने के लिए लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। सम्पर्क करें- ओमांश किसान सेवा केन्द्र मंगला (बिलासपुर) 9407938943, 93402 02142 (40622)

आवश्यकता है- नेहरु नगर स्थित घर में खाना बनाने एवं गृह कार्य करने हेतु सुबह से शाम तक के लिए बाई की अति शीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7000370264 (40631)

आवश्यकता है- प्रिंटिंग युनिट हेतु कोरल ड्रा डिजाइनर 2पद, रिसेप्शनिस्ट 1पद, ऑफिस ब्वॉय 3पद एवं बाईन्डर 2 पद की आवश्यकता है वेतन 10000 सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष काम्पलेक्स जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 (40638)

आवश्यकता है- चिकित्सालय में दवा दुकान एवं कैश काउंटर हेतु अनुभवी शिक्षित महिला कर्मी की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- मुंगेली रोड बिलासपुर 8821023755, 9826134710 (40643)

आवश्यकता है- कॉलोनी में 6 सुरक्षागार्ड एवं 2 सुपरवाइजर चाहिए योग्यता 12वीं, उम्र 40वर्ष तक, ड्यूटी 12घंटे एंड्रॉयड फोन चलाने का अनुभवी, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क- सुबह 9 से 11बजे, रामावैली आवासीय सहकारी समिति प्रथम तल ऑफिस नं.-3 शॉपिंग काम्प्लेक्स, रामावैली कॉलोनी बोदरी बिलासपुर 88272 83767, 7999946658 (40642)

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप में अनुभवी, सेल्समैन, सेल्सगर्ल, मार्केटिंग (फील्ड वर्क हेतु) बिजी एकाउंट हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क करें- चरण स्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 9300300333, 07752-407333 (40616)

आवश्यकता है-हाइवा मेन्टेनेन्स+ फील्ड वर्क हेतु 20- 30 वर्षीय लड़का चाहिए वेतन 7000+ पैट्रोल, स्वयं की बाइक अनिवार्य, बिलासपुर निवासी को प्राथमिकता हाइवा मेन्टेनेन्स संबंधित फील्ड कार्य अनुभवी सम्पर्क करें- 7067005520, 9109395522 (40611)

आवश्यकता है- बिलासपुर की निर्माणाधीन कॉलोनी में सिविल कॉन्ट्रैक्टर (छत नापी+ आइटम रेट), प्लास्टर कॉन्ट्रैक्टर, शटरिंग लोहार, टाइल्स कॉन्ट्रैक्टर की आवश्यकता है, सम्पर्क करें- 9589000659, 79992 45462, 7970010956, 7970010973 (40626)

आवश्यकता है-पैट्रोल पम्प में कम्प्यूटर आपरेटर, पम्प आपरेटर, सफाई कर्मचारी, चौकीदार एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- जरहाभाठा मन्दिर चौक बिलासपुर 9479258223 (40473)

आवश्यकता है-ट्रांसपोर्ट कार्य हेतु दो लड़कों की आवश्यकता है कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए सैलरी योग्यता अनुसार 2 से 3वर्ष अनुभव अनिवार्य सम्पर्क करें-जय दुर्गा रोडलाइन्स ट्रांसपोर्ट नगर सिरगिट्टी रोड बिलासपुर 9300678181 (40613)

आवश्यकता है-ऑपरेटर और टीचर युवती (दो अलग अलग) युवती चाहिए, कम्प्यूटर हेतु सेलरी 10000 से 15000 और क्लास-1 की इंग्लिश मीडियम टीचर की (3घंटे) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8817395214 (40602)

आवश्यकता है- फुटवियर शॉप में कार्य हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- न्यू गोल्डन शू हाउस शॉप नं-2, केयर एंड क्योर हॉस्पीटल के पीछे चाटापारा बिलासपुर 9827966636 (40582)

आवश्यकता है- रायपुर स्थित प्रतिष्ठित अग्रवाल फैमिली हेतु 12घंटे एवं 24घंटे* कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभव 5वर्ष शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10वीं पास वेतन 25,000 प्रतिमाह सुविधाएं रहने खाने की व्यवस्था नि.शुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर संपर्कः- 9109222000, 9109125252 (004)

आवश्यकता है-टीवीएस डीलर को सेल्स, सर्विस एग्जीक्यूटिव मैनेजर, कम्प्यूटर आपरेटर, बिलिंग एग्जीक्यूटिव टेलीकॉलर हेतु योग्य व्यक्तियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- चन्द्र टीवीएस महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 90391 67202 (40617)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल एवं एक ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40627)

आवश्यकता है- आफिस कार्य करने के लिए हेतु 2 से 3वर्ष अनुभवी लड़के/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने व्यापार विहार रोड बिलासपुर (40628)

आवश्यकता है-मेन्स वियर शॉप में अनुभवी सेल्समैन को आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें-यूनिक फैशन शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 9303159900 9630110824 (कॉलिंग समय सुबह 11:30 से शाम 7 तक) (40615)

आवश्यकता है-होटल में साऊथ इंडियन कुक, किचन हेल्पर एवं वेटर सप्लायर युवक, युवतियों की आवश्यकता है अनुभवी/ फ्रेशर दोनो को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9340229293 (40619)

आवश्यकता है-सिक्योरिटी एजेन्सी में कार्य हेतु इच्छुक व्यक्ति जो शोरूम में गाड़ियों की एंट्री कर सके तथा डे/ नाइट में काम करने हेतु चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 9981630084, 9425534940 (40620)

आवश्यकता है-ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु 5 लड़के, 5 लड़कियों की। वेतन 8000, कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 8109167000 (40621)

आवश्यकता है-होटल नटराज में अनुभवी हाउस कीपिंग पुरुष स्टाफ की आवश्यकता है दोपहर 1बजे से रात 11बजे तक वेतन 7000 से 9000 सम्पर्क करें-होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 9977861508 (40599)

Medicare Specialists
यौन रोग व यौन कमजोरी
डॉ. एस.सी. अग्रवाल
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500 96177-89223, 93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दें धूम मचा दें।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ायें। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 8515825081 9083218330

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती युवती, युवक हमाल की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-राधेश्याम स्टेशनरी मार्ट सरजू बगीचा तेलीपारा रोड बिलासपुर (40503)

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट का पूर्व मुखी प्लाट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9630083740, 97706 76030 (40623)

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेन्दरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 (40584)

बेचना है- खमतराई में सड़क से लगी 27 डि., मोपका में 41 डि., विनोबा नगर में सड़क से लगी 1037 वर्गफुट में निर्मित शोरूम एवं एक छोटी दुकान बेचना है। नियम शर्तें लागू। खरीददार ही सम्पर्क करें- 9770060675 (40632)

बेचना है- बिलासपुर के हृदय स्थल श्रीकांत वर्मा मार्ग मैग्नेटो माल के पहले वैशाली नगर मे सर्व सुविधा युक्त पुर्णत सुरक्षित कालोनी मे 24 घंटे गार्ड- 2 bhk के फ्लैट फर्स्ट फ्लोर मे बेचना है संपर्क सुत्र- 9827687816 (40656)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4146)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण- 2 चक्का 4 चक्का वाटर टैंकर और हाइड्रॉलिक ट्रॉली 4 चक्का 2 चक्का एक्सचेंज सुविधा सहित नया/पुराना उपलब्ध। ट्रॉली टैंकर बनाने वाले आदमियों की जरूरत है सम्पर्क- किसान एग्रो, गतौरी, रतनपुर रोड बिलासपुर, 9827892413, 7999789224 (40659)

सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आईपीएल : गेल ने 37, रसेल ने 47 और क्लासेन ने 52 पारी में ठोक डाले 100 छक्के

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में हेनरिक क्लासेन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद की जीत में अहम योगदान दिया। क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। इस बीच उन्होंने आईपीएल में अपने 100 छक्के भी पूरे किए। इस बीच लीग में सबसे कम पारियों में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

हेनरिक क्लासेन (52 पारी)

क्लासेन ने अपने आईपीएल करियर की 52 पारियों में छक्कों का शतक पूरा किया। क्लासेन ने 1,072 गेंदों में 100 छक्कों का आंकड़ा छुआ, जिससे वह गेंदों के हिसाब से सातवें सबसे तेज खिलाड़ी बन गए हैं। क्लासेन ने मैच में 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 3 छक्के लगाए। उन्होंने 56 मैचों में 41.86 की औसत और 166.51 के स्ट्राइक रेट से 1,800 रन बनाए हैं।

गेल (37 पारी)

वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ने 37 पारियों में अपने 100 छक्के पूरे किए थे। वह आईपीएल में 4 टीमों के लिए खेले थे। इस खिलाड़ी ने अपना पहला मुकाबला साल 2009 में खेला था। आखिरी बार वह 2021 में खेलते हुए नजर आए थे। गेल ने 142 मैच की 141 पारियों में 357 छक्के लगाए थे। उनके बल्ले से 404 चौके भी निकले थे। इस खिलाड़ी ने 39.72 की औसत और 148.96 की स्ट्राइक रेट से 4,965 रन बनाए थे।

आंद्रे रसेल (47 पारी)

केकेआर के पूर्व दिग्गज आंद्रे रसेल ने 47 पारियों में अपने 100 आईपीएल छक्के पूरे किए थे। रसेल ने अपने आईपीएल करियर में 140 मैच खेले, जिसमें 28.20 की औसत और 174.17 की स्ट्राइक रेट से 2,651 रन बनाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 12 अर्धशतक बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 88 रन बनाए हैं। दूसरी तरफ गेंदबाजी में उन्होंने 23.27 के औसत से 123 विकेट भी लिए हैं।

आईपीएल में सर्वाधिक 8 शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं विराट कोहली

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में अब तक कुछ बेहतरीन शतक लग चुके हैं। इस सीजन के 31वें मैच में एसआरएच के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 68 गेंदों में 135 रन की बड़ी पारी खेली। उनके शतक की मदद से एसआरएच ने मैच में 47 रन से जीत दर्ज की। इस बीच टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के बारे में जानते हैं।

विराट कोहली

विराट कोहली का टी-20 क्रिकेट करियर बेमिसाल रहा है। उन्होंने अपने टी-20 करियर में अब तक 13,000 से अधिक रन बनाए हैं, जिसमें कुल 9 शतक शामिल हैं। इस दिग्गज बल्लेबाज ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक शतक लगाया है। इसके अलावा आईपीएल में उन्होंने 8 शतकीय पारियां खेली हैं। वह आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। बता दें कि कोहली 2007 से टी-20 क्रिकेट खेल रहे हैं।

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा टी-20 क्रिकेट में कुल 8 शतक लगा चुके हैं। वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 12,000 से अधिक रन बना चुके हैं। पूर्व भारतीय कप्तान ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 5 शतक लगाए हैं। उन्होंने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत 151 पारियों में 4,231 रन के साथ किया था। इसके अलावा आईपीएल में उनके बल्ले से 2 शतक और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक शतक निकले हैं।

खबर संक्षेप

बार्सिलोना सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग का खिताब जीता

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर लगातार सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस जीत से बार्सिलोना दूसरे स्थान पर मौजूद रियाल मैड्रिड से 16 अंक आगे हो गया है जो खिताब जीतने के लिए पर्याप्त हैं। बार्सिलोना का यह 11वां लीग खिताब है। बार्सिलोना ने इस साल के टूर्नामेंट में अपने 26 मैचों में से 25 मैच जीते हैं। पिछले साल नवंबर में उसे रियल सोसिडाड के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था जो उसकी एकमात्र हार थी। बार्सिलोना की महिला टीम ने लीग में अब तक 116 गोल किए हैं और सात गोल खाए हैं। इस तरह से उसका गोल अंतर 109 है। रियाल मैड्रिड का गोल अंतर 38 है।

हालैंड के गोल से प्रीमियर लीग में शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

लंदन। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने बर्नली को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करके आर्सेनल के 200 दिनों से पहले स्थान पर चल रहे दबदबे को समाप्त कर दिया। बर्नली के लिए यह हार करारा झटका है क्योंकि इससे वह दूसरे डिवीजन में खिसक गया है। हालैंड ने खेल के पांचवें मिनट में ही जेरेमी डोकु के पास पर लीग का अपना 24वां गोल दागा, जिससे सिटी खिताब का प्रबल दावेदार बन गया है। **सिटी और आर्सेनल के हुए समान अंक :** अब सिटी और आर्सेनल के 33 मैच में समान 70 अंक हो गए हैं और उनका गोल अंतर भी (37) बराबर है। सिटी ने हालांकि आर्सेनल के 63 गोल की तुलना में 66 गोल किए हैं जिससे वह पहले स्थान पर पहुंच गया है। बुधवार को खेले गए एक अन्य मैच में लीड्स ने स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में गोल करके बोर्नमाउथ के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला।

आईपीएल के इस संस्करण चेन्नई सुपर किंग्स ने दर्ज की अपनी तीसरी जीत

सैमसन के शतक से सीएसके ने मुंबई इंडियंस को 103 रन से हराया

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रन से हरा दिया। इसी के साथ उसने आईपीएल 2026 में अपनी तीसरी जीत दर्ज की। चार मुकाबलों में इस टीम को हार का सामना भी करना पड़ा है। वहीं, एमआई को इस संस्करण 5वीं हार मिली है। टीम अब तक सिर्फ 2 मुकाबले ही जीत पाई है। मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। सीएसके के लिए संजू सैमसन ने शतकीय पारी (101*) खेली। उनके अलावा रुतुराज गायकवाड़ ने 14 गेंदों में 22 रन बनाए। सीएसके ने 207/6 का स्कोर बनाया। अल्लाह गजनफर और अश्विनी कुमार ने 2-2 विकेट चटकाए। जवाब में एमआई के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। अकील हुसैन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। एमआई 19 ओवर में सिर्फ 109 का स्कोर रन ही बना पाई।

ऐसी रही सैमसन की शतकीय पारी

सीएसके के लिए सैमसन सलामी बल्लेबाज के रूप में आए थे। पहले विकेट के लिए उन्होंने गायकवाड़ के साथ 18 गेंदों में 32 रन जोड़े। इसके बाद सरफराज खान के साथ 16 गेंदों में 40 रन की साझेदारी निभाई। डेवाल्ड ब्रेविस के साथ उन्होंने 31 रन और कार्तिक शर्मा के साथ 43 रन जोड़े। उन्होंने 54 गेंदों का सामना कर 101* रन बनाए। उनके बल्ले से 10 चौके और 6 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 187.04 की रही।

ये बड़े रिकॉर्ड्स सैमसन ने किए अपने नाम

सैमसन सीएसके के पहले बल्लेबाज बने, जिन्होंने एमआई के खिलाफ कोई शतकीय पारी खेली। इस मुकाबले से पहले सबसे बड़ा स्कोर गायकवाड़ के नाम था। उन्होंने 88 रन की पारी खेली थी। टी-20 क्रिकेट में अब सैमसन के 8 शतक हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली है। अब टी-20 क्रिकेट में भारत के लिए उनसे ज्यादा शतक सिर्फ कोहली और अभिषेक शर्मा ने बनाए हैं। इन दोनों के नाम 9-9 शतक हैं।*

ऐसी रही अकील की घातक गेंदबाजी

अकील ने 4 ओवर गेंदबाजी की और एक मेडन के साथ सिर्फ 17 रन खर्च कर 4 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 4.20 की रही। इस खिलाड़ी ने दानिश मालेवार (0), ननमन धीर (0), सूर्यकुमार यादव (36) और और तिलक वर्मा (37) को अपना शिकार बनाया। अकील ने आईपीएल में पहली बार 4 विकेट हॉल लिया। उनके अलावा नूर अहमद ने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 2 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 6 की रही।

सैमसन ने की केएल राहुल की बराबरी

सैमसन ने इस शतक के साथ ही केएल राहुल की बराबरी कर ली। राहुल के भी आईपीएल में 5 शतक हैं। अब सैमसन आईपीएल में संयुक्त रूप से चौथे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे ज्यादा शतक सिर्फ विराट कोहली (8), जोस बटलर (7) और क्रिस गेल (6) के हैं। सैमसन ने डेविड वार्नर, शुभमन गिल और शेन वॉटसन को पीछे छोड़ दिया है। इन खिलाड़ियों के आईपीएल में 4-4 शतक हैं।

सीएसके के लिए सबसे ज्यादा शतक सैमसन के

सैमसन आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से सीएसके के लिए सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने कप्तान गायकवाड़, मुरली विजय और शेन वॉटसन की बराबरी कर ली है। इन खिलाड़ियों ने भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा 2-2 शतक लगाए थे। सीएसके के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी माइक हसी, ब्रेडन मैकुलम, सुरेश रैना और अंबाती रायडू ने इस फ्रेंचाइजी के लिए एक-एक शतक अपने नाम किए थे।

आईपीएल इतिहास में भुवनेश्वर 208 व बुमराह 184 धुरंधरों को पहुंचा चुके हैं पैवेलियन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 30वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को 99 रनों से हरा दिया। इसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अहम भूमिका निभाई। लंबे समय से खराब फॉर्म के बाद बुमराह ने इस संस्करण में अपने विकेटों का खाता खोला और पारी की पहली गेंद पर साई सुदर्शन को आउट कर दिया। इसके साथ ही वह ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़कर आईपीएल में दूसरे सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज बन गए।

भुवनेश्वर - 208 विकेट

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले तेज गेंदबाज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार हैं। उन्होंने इस संस्करण में ही अपने 200 विकेट पूरे किए हैं।

भुवनेश्वर ने अब तक 196 मैचों में 26.98 की औसत से 208 विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने 2 बार 5 और दो बार 4 विकेट हॉल लेने का कारनामा किया है। तीन फ्रेंचाइजी के लिए खेल चुके भुवनेश्वर पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं।

बुमराह - 184 विकेट

बुमराह अब आईपीएल इतिहास में तेज गेंदबाजों में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अपने शानदार करियर में उन्होंने 151 मैचों में 22.88 के औसत से 184 विकेट लिए हैं। ये सभी विकेट उन्होंने एमआई के लिए खेलते हुए चटकाए हैं। उनकी इकॉनमी रेट 7.28 है और उन्होंने 2 बार 5 विकेट लिए हैं। खास बात यह है कि बुमराह के नाम टूर्नामेंट में किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

ड्वेन ब्रावो - 183 विकेट

इस सूची में वेस्टइंडीज और चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो तीसरे पायदान पर हैं। वह अपने आईपीएल करियर में 161 मैचों की 158 पारियों में 23.82 की औसत और 8.39 की इकॉनमी से 183 विकेट चटकाने में सफल रहे थे। सीएसके, एमआई और गुजरात लायंस का प्रतिनिधित्व कर चुके ब्रावो अपने करियर में 2 बार 4 विकेट हॉल लेने में सफल रहे थे। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 22 रन देकर 4 विकेट लेना रहा है।

कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे थे

चोट से उबरे मिचेल स्टार्क डीसी के लिए खेलने आ रहे भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के स्टार तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में खेलने के लिए अनुमति मिल गई है। 36 वर्षीय स्टार्क कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे थे, अब वे बिना दर्द गेंदबाजी कर रहे हैं। वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले दिल्ली कैपिटल्स टीम से जुड़ सकते हैं। चोट के कारण लंबे समय से बाहर रहने के बाद यह उनका इस सीजन पहला मुकाबला हो सकता है।

जनवरी के बाद से नहीं खेला एक भी मैच

स्टार्क ने इस साल जनवरी के अंत के बाद से किसी तरह का क्रिकेट नहीं खेला है। नवंबर, 2025 और जनवरी, 2026 के बीच खेली गई एशेज सीरीज में उन्होंने 31 विकेट लेकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग में 5 मैच खेले, जहां पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ फील्डिंग करते समय उनके बाएं कंधे और कोहनी में चोट लग गई थी।

जल्द आएंगे भारत

चोट से ब्रेक के बाद गेंदबाजी करते समय स्टार्क को थोड़ी तकलीफ महसूस हुई, जिससे आईपीएल में वे अब तक टीम से नहीं जुड़े हैं। आईपीएल की शुरुआत में भारत नहीं आने को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हुई थी, जिस पर स्टार्क ने सोशल मीडिया पर सफाई दी थी। उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी पर फैली गलत जानकारी पर निराशा जताई थी। अब सिडनी में एक हफ्ते तक गेंदबाजी करने के बाद वह शुक्रवार को भारत रवाना होंगे।

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज बर्गर पर जुर्माना

लखनऊ। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के दौरान इंडियन प्रीमियर लीग की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस 30 वर्षीय खिलाड़ी के खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। बयान के अनुसार, ''राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज नांद्रे बर्गर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। बर्गर ने स्वीकार किया अपराध बर्गर को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 सीरीज में भारत से बनाई अजेय बढ़त

एजेंसी ▶▶ जोहानिसबर्ग

कप्तान लौरा वोल्वार्ट (53 गेंदों में 115 रन) की आतिशी शतकीय पारी और पहले विकेट के लिए सुने लुस (42 गेंदों में नाबाद 64 रन) के साथ 92 गेंदों में 183 रन की साझेदारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने भारत को तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली। दक्षिण अफ्रीका ने 16.3 ओवर में एक विकेट पर 193 रन बनाकर भारत के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

हरमन और शेफाली के अर्धशतक बेकार

भारत ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66) और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (64) के अर्धशतकों

तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 42 गेंदों में 73 रन की साझेदारी की बदौलत चार विकेट पर 192 रन बनाए थे, लेकिन वोल्वार्ट की ताबड़तोड़ पारी ने इस बड़े स्कोर को भी बौना साबित कर दिया।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप प्रतियोगिता

भारत के निशानेबाजों ने एक दिन में जीते चार मेडल

एजेंसी ▶▶ काहिरा

भारत के युवा निशानेबाजों ने आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक ही दिन में 4 मेडल अपने नाम किए। इस दमदार प्रदर्शन के साथ भारत का कुल पदक 7 पहुंच गया है, जो देश की मजबूत शूटिंग परंपरा को दर्शाता है।

इससे पहले शिवा नरवाल ने गोल्ड, चिराग शर्मा और पनाह भुंगरा ने सिल्वर मेडल जीते थे, जिससे भारत लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। काहिरा में आयोजित इस वर्ल्ड कप में 25 देशों के 284 निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने सबसे बड़ा दल (71 खिलाड़ी) भेजा है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी मजबूत उपस्थिति को दर्शाता है। भारत के युवा निशानेबाज लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और जूनियर वर्ल्ड कप में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। यह प्रदर्शन भविष्य के लिए भारतीय शूटिंग के उज्ज्वल संकेत दे रहा है।

पुरुष 25 मीटर पिस्टल में भारत का दबदबा

पुरुष 25 मीटर पिस्टल इवेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। राज चंद्र ने 580 स्कोर के साथ सिल्वर जीता, जबकि अभिनव देशवाल ने 578 के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया। इस इवेंट में टॉप-6 में पांच भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी भारत की मजबूती को दिखाती है।

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017
पीएच.डी.एवं स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम 2026-27 में प्रवेश

F.4/A-1-1/2026-27/Acad/Ph.D/01

विषम सेमेस्टर 2026-27 (जुलाई 2026) के लिए सभी विभागों/केंद्रों में पीएच.डी. और एम.टेक./एम.प्लान. (प्रायोजित (पूर्णकालिक/अंशकालिक) और पूर्णकालिक स्व-वित्तपोषित) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए www.mnit.ac.in पर जाएं। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 07 मई 2026 है।

cbc 21312/11/0003/2627 पंजीयक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: 94-एसटी-टेंडर-2025, दिनांक: 13.04.2026.
कार्य: "संकेत एवं दूरसंचार के संबंध में कार्य (1) बिलासपुर में वंदेभारत चेयर कार रखरखाव डिपो का विकास/उन्नयन, (2) कोचिंग रखरखाव हेतु परीक्षा सुविधा में रोलिंग का उन्नयन, (3) मुख्यालय कार्यालय में माल ढुलाई गतिविधियों की निगरानी केंद्र का उन्नयन & (4) बिलासपुर में प्रतिदिन 10 टन (अर्थात् प्रति पाली 5 टन) क्षमता वाली मशीनीकृत लॉन्ड्री की स्थापना।" निविदा मूल्य: ₹ 1,87,85,905.19 (₹ एक करोड़ सत्यासी लाख पच्यासी हजार नौ सौ पाँच रुपये एवं उन्नीस पैसे मात्र)। अमानत राशि: ₹ 3,75,700/- (₹ तीन लाख पचहत्तर हजार सात सौ मात्र)।
निविदा जमा होने की तिथि: 06.05.2026 के 15.00 बजे तक।
उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजी./ सीपीआर/10/47 (सीआईसी),बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक: 14-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांक: 18.04.2026. कार्य का नाम: "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में जगदलपुर से कुरकनार (चैनेज 0.620 से 12.70 के.एम. तक) के बीच विद्युत उपयोगिताओं (अर्थात् पावर लाइन क्रॉसिंग: 33 केवी 15 नग, 11 केवी 15 नग, LT 10 नग और समानांतर लाइनें 05 नग) के स्थानांतरण/रूपांतरण/संशोधन/भूमिगत करने संबंधी विद्युत निर्माण कार्य।" निविदा मूल्य: ₹ 3,55,21,950.55 (₹ तीन करोड़ पचपन लाख इक्कीस हजार नौ सौ पचास और पचपन पैसे) मात्र। अमानत राशि: ₹ 7,10,400/- (₹ सात लाख दस हजार चार सौ) मात्र। निविदा बंद होने की तिथि व समय: 15.05.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय: 15.05.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि: 12 (बारह) माह, एलओए जारी होने के तारीख के बाद से।
वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।
सहायक कार्यपालन विद्युत अभियंता/ सीपीआर/10/52 (निर्माण)/रायपुर
South East Central Railway @secrail

एनटीपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
आम सूचना

विषय: एनटीपीसी सीपत परियोजना के भूविस्थापितों को भू-अधिग्रहण, नामांकन, शैक्षणिक एवं वोकेशनल योग्यता तथा अन्य संबंधित दस्तावेज जमा करने के संबंध में।

भू-विस्थापितों (जिनका प्रशासन द्वारा प्रेषित वरीयता सूची में नाम है तथा जिनकी एक एकड़ या अधिक भूमि एनटीपीसी सीपत परियोजना हेतु अर्जित हुई हो एवं अधिग्रहित भूमि की धारा 4 (1) की अधिसूचना प्रकाशन से 20 वर्ष पूर्व का भू-स्वामित्व / निवासी हो) को सूचित किया जाता है कि, पात्र सदस्य के नामांकन, शैक्षणिक एवं वोकेशनल योग्यता तथा अन्य जानकारी अद्यतन करने की प्रक्रिया के लिए एनटीपीसी सीपत का पत्र दिनांक 15.04.2026, भू-विस्थापितों के उपलब्ध पते पर पंजीकृत पोस्ट/स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है। संबंधित भू-विस्थापितों को इस आम सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि वे अंतिम दिनांक (cut-off date) 16.05.2026 शाम 6:00 बजे तक उपरोक्त पत्र दिनांक 15.04.2026 द्वारा वांछित जानकारी/दस्तावेज, वरिष्ठ प्रबंधक मानव संसाधन, एनटीपीसी लिमिटेड सीपत, ऊर्जा भवन, पोस्ट ऑफिस-उज्वल नगर, तहसील सीपत, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, पिन कोड-495555 के पते पर प्रेषित /जमा करें। उपरोक्त अंतिम दिनांक (cut-off date) 16.05.2026 शाम 6:00 बजे के बाद प्राप्त दस्तावेजों को वर्तमान में प्रस्तावित नियुक्ति प्रक्रिया हेतु विचार कर पाना संभव नहीं होगा। उक्त दिनांक के पश्चात, पात्र पाये गए भू-विस्थापितों की उपलब्ध रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु प्रक्रिया प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। किसी भी स्पष्टीकरण या अधिक जानकारी के लिए पात्र भू-विस्थापित, वरिष्ठ प्रबंधक-मानव संसाधन, एनटीपीसी लिमिटेड सीपत के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

वास्ते एवं निमित्त की ओर से
एनटीपीसी सीपत प्रबंधन
विद्युत क्षेत्र में अग्रणी

टाटा मेमोरियल सेंटर
परमाणु ऊर्जा विभाग का अनुदान प्राप्त संस्थान,
भारत सरकार
टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल
परेल, मुंबई - 400 012

टाटा मेमोरियल सेंटर (TMC), मुंबई, भारतीय नागरिकों से निम्नलिखित सीनियर रेजिडेंट पदों, फेलोशिप और एमएससी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

सीनियर रेजिडेंट, 1 वर्षीय TMC फेलोशिप और विभिन्न विभागों में 2 वर्षीय HBNI फेलोशिप।
विज्ञापन संख्या 64/2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 20.05.2026 है।

HBNI से संबद्ध एमएससी पाठ्यक्रम:
एमएससी मेडिकल रेडियोलॉजी इमेजिंग टेक्नोलॉजी
एमएससी नर्सिंग (ऑन्कोलॉजी नर्सिंग)
ऑन्कोलॉजी में मास्टर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी (एमओटी)
एम.एससी. न्यूक्लियर मेडिसिन और मॉलिक्यूलर इमेजिंग टेक्नोलॉजी
एम.एससी. क्लिनिकल रिसर्च
एम.एससी. पब्लिक हेल्थ और एपिडेमियोलॉजी
एम.एससी. पेशेंट नेविगेशन (ऑन्कोलॉजी)
मास्टर्स ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
पीजी पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30.05.2026 है।
अधिक जानकारी और ऑनलाइन आवेदन के लिए हमारी वेबसाइट http://tmc.gov.in पर जाएं (करियर सेक्शन में एस.आर.शिप/फेलोशिप और ट्रेनिंग प्रोग्राम में एम.एससी. पाठ्यक्रम देखें)।
cbc 48149/11/0002/2627)

अंतरिक्ष में दिखा टूटता हुआ तारा, सामने आई खूबसूरत तस्वीर

वॉशिंगटन। ब्रह्मांड में होने वाली हलचल जब भी कैमरे में कैद होती है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं लगती है। क्या आपने कभी सोचा है कि जिस टूटते हुए तारे को हम हसरत भरी निगाहों से देखते हैं, वह अंतरिक्ष से कैसा दिखाई देता होगा? नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका मीर ने इंटरनेशलन स्पेस स्टेशन से एक ऐसी ही दुर्लभ तस्वीर शेयर की है, जिसे देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे।

नासा एस्ट्रोनॉट ने कर दिया कमाल

अंतरिक्ष से दिखा अनोखा नजारा

नासा की अंतरिक्ष यात्री जेसिका मीर ने अपनी पोस्ट में बताया कि स्पेस स्टेशन के क्यूपोला यानी खिड़कियों वाला हिस्सा से उन्होंने इस घटना को कैमरे में कैद कर लिया। जेसिका ने अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए लिखा कि वह बहुत भाग्यशाली रहीं कि उन्हें सही समय पर कैमरे से इन नजारों को शूट करने का मौका मिला। जहां पृथ्वी पर मौजूद लोग जमीन से आसमान की तरफ देखते हैं, वहीं स्पेस स्टेशन से यह नजारा बिल्कुल अलग और भव्य नजर आता है।

कमाल की है ये तस्वीर

शेयर की गई तस्वीर के बारे में विस्तार से बताते हुए जेसिका ने कहा कि उन्होंने इसे थ्री-सेकंड एक्सपोजर के साथ क्लिक किया है। इस टेक्नोलॉजी की वजह से तस्वीर के दाईं तरफ जमीन पर मौजूद शहरों की रोशनी चमकती हुई लकीरों की तरह दिखाई दे रही है। वहीं, बाईं तरफ एक उल्का की लकीर साफ दिखाई दे रही है।

क्या है लिरिड उल्कावृष्टि?

लिरिड उल्कावृष्टि यानी उल्कापात साल में होने वाली एक खगोलीय घटना है। उन्होंने यह भी बताया कि लिरिड उल्कापात हर साल अप्रैल में होता है और इसे उत्तरी गोलार्ध में आसानी से देखा जा सकता है। जेसिका ने बताया कि उत्तरी गोलार्ध में रहने वाले लोग आसमान में लाइरा नक्षत्र की तरफ देखने पर इन टूटते हुए तारों को देख सकते हैं।

प्लास्टिक व पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग 7 घंटे बाद भी नहीं पाया जा सका काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

गुरुवार को शहर के बीचों बीच स्थित प्लास्टिक और पटाखा गोदाम में भीषण आग लग गई। पटाखे के भंडार में लगी आग के बाद इलाके में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसका धुंआ 10 किलोमीटर दूर से भी नजर आ रहा था। आग के साथ ही लगातार हो रहे धमाकों के कारण क्षेत्रवासी दिनभर दहशत में रहे। घटना की सूचना मिलने के बाद जिला और पुलिस प्रशासन के साथ ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। बड़ी बात यह है कि 7 घंटे बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका था और आग बुझाने का काम जारी था।

बता दें कि शहर के राम मंदिर रोड स्थित संकरी गली में मुकेश प्लास्टिक व पटाखा की दुकान गोदाम संचालित है। इस गोदाम में गुरुवार की दोपहर लगभग 12 बजे अचानक ही आग लग गई। प्लास्टिक गोदाम में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। इसके बाद आग गोदाम में मौजूद पटाखों के भंडारण तक पहुंच गई और फिर तेज धमाकों के साथ आग ने पूरी दो मंजिला बिल्डिंग को ही अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की घटना के बाद क्षेत्र में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। पटाखे के फटने से हो रही आवाज के कारण लोग दहशत में आ गए और भागने लगे। कुछ ही समय में प्लास्टिक और बारूद से भड़की आग की लपटों से क्षेत्र में काला धुंआ भर गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला व पुलिस प्रशासन, दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। गोदाम में आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है लेकिन शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात कही जा रहा है।

असली हीरो...300 बच्चों का बाप बना ये टीचर, कर्ज लेकर संवारा भविष्य!

बीजिंग। चीन के लियाओनिंग प्रांत में रहने वाले 52 साल के बाई जियान पेशे से तो पीटी टीचर हैं, लेकिन इलाके के बच्चे उन्हें 'सुपर डैड' पुकारते हैं। उन्होंने पिछले 30 सालों में उन बच्चों की उंगली थामी, जिन्हें अपनों ने ही अकेला छोड़ दिया था। एक पोस्ट के मुताबिक, बाई जियान ने अब तक करीब 276 बच्चों को गोद लेकर उनका घर बसाया है। उनके किराए के घर 'ड्रीम होम' में एक साथ 20 से 30 बच्चे रहते हैं, जहां प्यार और अनुशासन की जुगलबंदी चलती है। यह सिलसिला 1995 में शुरू हुआ...जब बाई ने एक भूखे स्टूडेंट की मदद की और उस बच्चे ने उन्हें 'पापा' कह दिया। बस, फिर क्या था।..बाई ने इसे ही अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया। बाई जियान खुद गरीबी से तपकर निकले हैं, इसलिए वो जानते हैं कि खेल ही वो रास्ता है, जो किसी भी गरीब बच्चे की किस्मत चमका सकता है। उनके घर में नियम बड़े

कड़क हैं। चाहे कड़ाके की ठंड हो या बारिश, सुबह 4:30 बजे अलार्म बजते ही बच्चे मैदान पर होते हैं। हर बच्चा रोज 12 किलोमीटर दौड़ता है। बाई का मानना है कि खेल के मैदान पर कोई सिफारिश नहीं चलती, वहां सिर्फ आपकी मेहनत और दम ही बोलता है। उनके इस 'देसी' और सख्त अंदाज का नतीजा भी जबरदस्त रहा। उनके पाले हुए बच्चों ने अब तक 1300 से ज्यादा मेडल जीते हैं। कोई चीन की फौज में अफसर है, तो कोई टॉप यूनिवर्सिटी का प्रोफेसर। 50 बच्चे तो नेशनल लेवल के एथलीट बन चुके हैं।

कर्ज लिया पर बच्चों का हौसला नहीं टूटने दिया

खर्चे पूरे करने के लिए बाई ने कर्ज लिया, एक्स्ट्रा काम किए और अपनी बहनों की मदद ली। वो बच्चों को सिर्फ दौड़ना नहीं सिखाते, बल्कि उन्हें नफरत से दूर रहना भी सिखाते हैं। वो कहते हैं कि अपने उन मां-बाप से नफरत मत करो, जिन्होंने तुम्हें छोड़ा, क्योंकि नफरत की आग पहले खुद को ही जलाती है।

घर में लगा ये एक पौधा साफ कर देगा पीने के पानी से सारा कचरा!

ब्रासीलिया। आज के समय में शहरों से लेकर गांवों तक पीने के पानी की समस्या बढ़ती जा रही है। पानी में कई ऐसे सूक्ष्म कण या बैक्टीरिया मिले रहते हैं, जो लोगों को बीमार करने के लिए काफी होते हैं। क्या आप जानते हैं कि आपके पीने के पानी में प्लास्टिक के कण भी घुले हो सकते हैं, जो कैंसर और दिल की बीमारियों का कारण बन सकते हैं? ऐसे में इन्हें हटाना लोगों के लिए बहुत महंगा और

मुश्किल काम होता है। लेकिन, साओ पाउलो स्टेट यूनिवर्सिटी के विज्ञान और टेक्नोलॉजी संस्थान (आईसीटी-यूएनईएसपी) के वैज्ञानिकों ने अब इसका बेहद सस्ता और कारगर तरीका खोज लिया है। यह आपकी रसोई या बगीचे में ही मिल जाता है। एक नए रिसर्च में खुलासा हुआ है कि मोरिंगा ओलिफेरा जैसे साधारण पौधों का उपयोग करके पानी से माइक्रोप्लास्टिक को पूरी तरह साफ किया जा सकता है। यह आपके पीने के पानी से माइक्रोप्लास्टिक्स को 90% तक सोख सकता है।

नई रिसर्च में जिस पौधे की चर्चा हो रही है, वह कोई दुर्लभ जड़ी-बूटी नहीं, बल्कि आमतौर पर भारत में मिलने वाला सहजन यानी मोरिंगा है। वैज्ञानिकों ने पाया कि इसके बीजों से निकला खास घोल पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक को हटाने में मदद करता है।

कैसे काम करता है मोरिंगा का बीज

इस पौधे के बीजों में प्राकृतिक प्रोटीन होते हैं, जिनमें पॉजिटिव चार्ज होता है। जब इन्हें पानी में मिलाया जाता है, तो ये माइक्रोप्लास्टिक कणों से चिपक जाते हैं। इसके बाद ये छोटे-छोटे कण आपस में जुड़कर बड़े गुच्छों में बदल जाते हैं, जिन्हें आसानी से फिल्टर किया जा सकता है। सीधी भाषा में कहें तो यह पौधा पानी में छिपे प्लास्टिक को पकड़कर बाहर निकालने में मदद करता है।

लैलूंगा वन परिक्षेत्र में मिला हाथी शावक का शव, जांच में जुटा वन विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

लैलूंगा वन परिक्षेत्र के चिल्कामुड़ा-अंडोडेरा में एक हाथी शावक का शव मिला है। वन अमला मौके पर पहुंच, जांच में जुट गया है। शव का पंचनामा कर सारी औपचारिकताएं पूरी कर पीएम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि शावक के मौत के कारण स्पष्ट नहीं है, इसलिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार अधिकारी कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार हाथी मित्र दल के सदस्य चिल्कागुड़ा और अंडोडेरा क्षेत्र में हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। इसी बीच उन्हें कक्ष क्रमांक 176 आरएफ में एक शावक का शव पड़ा मिला। सूचना के बाद एसडीओ, रेंजर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और मौत के कारणों को जानने की कोशिश करने लगे, लेकिन शव में किसी तरह के चोट के निशान उन्हें नहीं मिला। ऐसे में वन अमले ने कार्रवाई आगे बढ़ाते हुए शव का पंचनामा कर पीएम कराया । वहीं सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। सैंपल रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया शावक की मौत किसी प्रकार के संक्रमण से होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में वर्तमान में 13 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। हाथियों के इस दल में करीब 5 शावकों की मौजूदगी होने की चर्चा है। ऐसे में यह शावक भी इसी दल का हिस्सा हों सकता है।

जानकारी के अनुसार धरमजयगढ वनमंडल के अलग-अलग वन परिक्षेत्रों में कुल 13 हाथी विचरण कर रहे हैं। ऐसे में हाथी मित्र दल और अन्य क्षेत्रीय अमला इनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है। साथ ही प्रभावित गांवों में ग्रामीणों को हाथियों की मौजूदगी होने और सतर्क रहने के लिए कहा जा रहा है। जानकारी के अनुसार मार्च से अप्रैल के बीच यह तीसरे हाथी की मौत हुई है। इससे पहले मार्च माह में घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के कुरकुट नदी में दो शावकों के शव मिले थे। उक्त शावक अपने दल के साथ नहाने के लिए नदी में पहुंचे और डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com